दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — राज्य में एक दिन में कोरोना ...
4 अभिव्यक्ति — चीन की भारत को हिमालायी चुनौती...
6 मनोरंजन/खेल — सुशांत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा का...
7 व्यापार — स्वामित्व योजना से आगे बढ़ेगा स्वदेशी...

www.navpradesh.com
भोपाल, शनिवार 27 जून 2020, आषाण शुक्ल पक्ष-सप्तमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-72 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए
डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

पाकिस्तान की तरह ही चीन भी एक मामले में तो भारत के मुकाबले मजबूत और खुश किस्मत है कि वहां भारत के खिलाफ सब एकजूट हैं। जबकि भारत में इन दोनों पड़ोसी देशों से भारत की तनातनी को लेकर फूट है। हमारे यहां इस देश का खाने और दुश्मन देशों का गाने वालों की कमी नहीं है। सरकार से सवाल पूछने के बहाने सेना के शौर्य पर सवालिया निशान लगाने वाले ये जयचंद चाहे जितनी बकवास कर लें उनके देश विरोधी बयानों से भारतीय सेना का ऊंचा मनोबल कतई नहीं गिरेगा। अलबत्ता ये बयानवीर देशवासियों की नजर से जरूर गिर जाएंगे।

सरकार का बड़ा फैसला : मध्य प्रदेश में 4269 आरक्षकों की भर्ती होगी

पुलिस विभाग में कुछ और पदों से जुड़े फैसलों को लेकर केंद्र की मंजूरी ली जाएगी

उद्योगों की सुरक्षा के लिए सिंगरौली भेजे गए कुछ जवानों को वापस बुलाएगी सरकार

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। लॉकडाउन के बाद मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में पहली बार भर्तियां शुरू करने जा रही है। सबसे पहले पुलिस विभाग में 4 हजार 269 आरक्षकों की भर्ती होंगी। यह फैसला शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में पुलिस अधिकारियों से बैठक के बाद गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने किया। इसके साथ ही उद्योगों की सुरक्षा के लिए सिंगरौली भेजे गए जवानों को भी वापस बुलाने को लेकर चर्चा की गई। सरकार **शेष पृष्ठ 7 पर**

पीपीपी मोड में पुलिस हॉस्पिटल बनाने का प्रस्ताव बनेगा

मंत्री डॉ. मिश्रा ने पुलिस विभाग के कर्मचारियों के उपचार के लिये चिंता करते हुए पीपीपी मोड़ सर्वसुविधायुक्त पुलिस हॉस्पिटल के निर्माण के लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आर्मी की तरह पुलिस हॉस्पिटल में आरक्षक से लेकर गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक अपना उपचार करा सकेंगे। डॉ. मिश्रा ने कहा कि पुलिस हॉस्पिटल निर्माण में वरिष्ठ स्तर पर जो भी आवश्यकता होंगी, उसमें पूरा सहयोग किया जायेगा। इसके निर्माण से पुलिस विभाग के कर्मचारियों को उपचार के लिये सहज सुलभ सुविधा प्राप्त हो जायेगी।

रार बरकरार

चीन ने गलवान घाटी पर फिर किया संप्रभुता का दावा

भारत भी अडिग, पूर्वी लद्दाख में वायुसेना का सैन्याभयास

चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- वर्षों से चीनी सैनिक लगा रहे गश्त

बीजिंग/ नई दिल्ली/ए.। कमांडर स्तर की बातचीत में गलवान घाटी में एलएसी से सैनिक हटाने की सहमति के बाद भी भारत व चीन के बीच रार बरकरार है। चीन ने एक बार फिर उत्तरी लद्दाख क्षेत्र की गलवान घाटी पर अपनी संप्रभुता का दावा करते हुए कहा है कि वहां उसके सैनिक कई वर्षों से गश्त लगा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय वायुसेना ने चीन की पैंतरेबाजी का भांपते हुए शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास सैन्याभ्यास किया।

चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा है कि गलवान घाटी पर चीनी संप्रभुता है और चीन के सैनिक वर्षों से इस क्षेत्र में नियमित गश्त लगा रहे हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और चीन की फौजें हॉट स्प्रिंग और पांगोंग त्सो में पीछे हटने को राजी हो चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वर्ष अप्रैल से भारतीय सैनिकों ने गलवान घाटी में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एकतरफा निर्माण संबंधी गतिविधियां शुरू कर दी थी और चीन की तरफ से इस बारे में कई बार आपत्तियां दर्ज कराई गई थी।

वायुसेना ने सैन्याभ्यास का वीडियो किया जारी

भारत और चीन की तनातनी के बीच भारतीय वायुसेना के एयरक्राफ्ट ने शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास सैन्य अभ्यास किया। भारत-चीन सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद वायुसेना ने हवाई गतिविधियों के जरिए निगरानी रखना शुरू कर दिया है। भारतीय वायुसेना ने इसको लेकर एक वीडियो भी **शेष पृष्ठ 7 पर**

सेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री को दी लद्दाख की स्थिति की जानकारी

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच चले आ रहे सैन्य गतिरोध के बीच जमीनी हालात का जायजा लेने के बाद वहां से लौटे सेना प्रमुख जनरल मनरोज मुकुंद नरवणे ने शुक्रवार को यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ताजा स्थिति की जानकारी दी। सिंह भी रूस दौरे से वापस आये हैं जहां उन्होंने रूसी नेतृत्व के साथ विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय बैठक की और द्वितीय विश्व युद्ध के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित विक्टरी परेड में हिस्सा लिया।

भारत कई बार खारिज कर चुका दावा

भारत ने कई बार चीन के इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि गलवान घाटी पर उसका अधिकार ऐतिहासिक आधार पर भी स्पष्ट है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, चीन की ओर से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बारे में अब बढ़ा-चढ़ा कर जो अपुष्ट दावे किए जा रहे हैं, वे कतई स्वीकार्य नहीं हैं और यह चीन की पूर्व भूमिका के अनुरूप भी नहीं हैं।

चीन से निपटने सेना तैनाती की समीक्षा कर रहा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका चीन से भारत, मलेशिया, इंडोनेशिया, फिलिपींस जैसे एशियाई देशों के समक्ष उत्पन्न खतरे को देखते हुए और उसका उचित तरीके से मुकाबला करने के लिए अपनी सेना की वैश्विक तैनाती की समीक्षा कर रहा है। यह बातें अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने गुरुवार को जर्मन मार्शल फंड के वर्चुअल ब्रसेल्स फोरम 2020 के दौरान एक सवाल के जवाब में कही। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने जा रहे है कि हम चीन की सेना का उचित तरीके से मुकाबला करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर सेना की तैनाती की समीक्षा की जा रही है, जिसके तहत अमेरिका जर्मनी से लगभग 52000 सैनिकों में से 25000 सैनिकों को हटा रहा है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की तैनाती जमीनी हकीकत के आधार पर किया जाएगा।

पुलवामा में 3 आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में शुक्रवार को घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने गुरुवार शाम करीब छह बजे पुलवामा में अवंतिपोरा के च्यूस उलार में संयुक्त अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल के जवान जब सभी निकास मार्गों को सील कर लक्षित इलाके की ओर बढ़ रहे थे तो वहां छुपे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के साथ मुठभेड़ शुरू हो गयी। दोनों ओर से करीब 10 मिनट तक गोलीबारी हुई। गोलीबारी बंद होने के कुछ समय बाद आतंकवादियों की ओर से फिर से गोलियां चली जिसका सुरक्षा बलों ने भी जवाब दिया। रात भर रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही।

बिजबेहरा में सीआरपीएफ पर हमला, जवान शहीद, बच्चे की मौत

श्रीनगर/नवप्रदेश। दक्षिणी कश्मीर के बिजबेहरा इलाके में आतंकियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर हमला किया है। हमले में सीआरपीएफका एक जवान शहीद हो गया है। बिजबेहरा इलाके में शुक्रवार को आतंकियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें एक केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) का जवान शहीद हो गया। आतंकी हमले में एक बच्चे की भी मौत हो गई। आतंकी सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर लगातार फायरिंग कर रहे हैं। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को सील कर दिया है।

गुजरात में सीमा के निकट पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ाया

भुज। गुजरात में कच्छ जिले के खावड़ा क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के निकट से सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) ने पाकिस्तान के एक घुसपैठिए को पकड़ा है। बीएसएफ के सूत्रों ने बताया कि बल के गश्ती दल ने उसे सीमा स्तम्भ संख्या यानी बॉर्डर पिलर नम्बर 1082 के पास से आज पकड़ा। वह पाकिस्तान के सीमावर्ती सिंध प्रांत का रहने वाला है। उसके पास से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है और वह **शेष पृष्ठ 7 पर**

रेलवे बना चुका 1.91 लाख पीपीई गाउन, 66.4 किलोलीटर सैनिटाइजर

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने कोविड-19 से निपटने और आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देते हुये बड़ी मात्रा में पीपीई किट और सेनिटाइजर तैयार किया है। रेलवे ने 24 जून तक 1.91 लाख पीपीई गाउन, 66.4 किलोलीटर सैनिटाइजर, 7.33 लाख मास्क आदि का विनिर्माण किया है। रेलवे की कार्यशालाओं ने कोविड-19 की चुनौती को स्वीकार करते हुये खुद ही पीपीई कवरऑल्स, सेनिटाइजर, मास्क और कॉट्स (पलंग) का विनिर्माण किया है। इन सामानों के विनिर्माण के लिए कच्चे माल की खरीद भी क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा की गई है। रेल मंत्रालय ने बताया कि जून और जुलाई महीने में प्रति माह 1.5 लाख पीपीई कवरऑल बनाने का लक्ष्य तय किया गया है, जिसे अगस्त से और बढ़ाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि अन्य मंत्रालयों और राज्य सरकारों के साथ समन्वय के माध्यम से अपने अग्रणी **शेष पृष्ठ 7 पर**

खास खबर

भोपाल में दो दिन बाद 83.8 मिमी पानी गिरा, कोलार में दीवार गिरने से एक घायल

भोपाल। भोपाल में गुरुवार शाम और शुक्रवार की दोपहर जमकर बारिश हुई। चौबीस घंटे के अंदर ही शहर में 83.4 मिमी पानी गिर गया। दो दिन से राजधानी में उसम और गर्मी हो रही थी। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक ममता यादव ने बताया- बीते चौबीस घंटे में भोपाल शहर में 83.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बैरागढ़ में सिर्फ करीब 35 मिमी पानी ही गिरा। इसके कारण शहर की निचले इलाकों के साथ ही मुख्य सड़कों पर भी पानी भर गया। कोलार इलाके में एक कॉलोनी की दीवार गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना की खबर लगते ही विधायक भी मौके पर पहुंच गए थे। प्रदेश के 13 जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। भोपाल में गुरुवार शाम के बाद शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे तेज बारिश शुरू हो गई। शहर में इससे 49.4 मिमी पानी गिरा, जबकि बैरागढ़ में करीब 35 मिमी बारिश हुई।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	4,97,359	15,401
अमेरिका	2,506,370	126,839
ब्राजील	1,233,147	55,054
ब्रिटेन	307,980	43,230
इटली	239,706	34,678
फ्रांस	161,348	29,752
स्पेन	294,566	28,330
मैक्सिको	202,951	25,060
ईरान	217,724	10,239
बेल्जियम	61,106	9,731

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 35171.27
निफ्टी- 10383.00
गोल्ड- 47930 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 48014 (1 कि ग्रा.)

भोपाल में 50 नए केस मिले : राजधानी में बेकाबू हुआ कोरोना

राजभवन में 5 और पॉजिटिव, जीएमसी के स्टाफ क्वार्टर में तीन संक्रमित

परिसर के कर्मचारियों को उनके सामान समेत क्वारैंटाइन सेंटर भेजा गया

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में अनलॉक के बाद से कोरोना संक्रमण थमता नहीं दिख रहा है। यहां हर रोज 40-50 संक्रमित निकल रहे हैं। शुक्रवार को 50 लोगों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। राजधानी में राजभवन संक्रमण का सबसे बड़ा सेंटर बनता जा रहा है। यहां 5 और लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। यहां पर अब तक 37 लोग संक्रमण का शिकार हो चुके हैं, जिसमें ज्यादातर सुरक्षा कर्मचारी हैं। इसके साथ ही भोपाल में 2648 केस हो गए हैं। वहीं 94 लोगों की संक्रमण से मौत हो चुकी हैं। वहीं जीएमसी के स्टाफ क्वार्टर से तीन लोग संक्रमित मिले हैं। हॉटस्पॉट शाहजहांनाबाद से भी मिले 5 संक्रमित आए हैं। मुगलिया छाप क्वारैंटाइन सेंटर से भी एक संदिग्ध की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। शहर के जुमेराती गेट, साकेत नगर, करोंद, पिपलानी समेत अन्य क्षेत्रों से संक्रमित मिले हैं।

अतिवृष्टि से निपटने के लिये हर जिले में किये जाये माकूल इंतजाम

नवप्रदेश संवाददाता

वर्षा जनित बीमारियों से बचाव एवं उपचार की करें व्यवस्थाएँ

कोविड के कारण विशेष सावधानी एवं सतर्कता रखी जाये

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के हर जिले में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से निपटने के लिये हर आवश्यक इंतजाम तुरंत कर लिये जायें। जिला आपदा प्रबंधन समितियों की बैठकें आयोजित कर जिलावार पुख्ता आपदा प्रबंधन योजना बना ली जाये। वर्षा जनित बीमारियों से बचाव एवं इलाज की सारी व्यवस्थाएँ कर ली जायें। वर्तमान समय में कोविड का संकट होने के कारण विशेष सावधानी एवं सतर्कता रखे जाने की आवश्यता है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जिलों में आपदा संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हांकित कर वहाँ सभी सुरक्षात्मक उपाय कर लिये जायें। जिले के बड़े बाँधों का सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित किया जाये। बाढ़ उन्मुख क्षेत्रों में स्थित जलाशयों एवं जल निकास नालियों की सफाई, तालाबों, नालों, बाँधों का निरीक्षण कर बाढ़ के पानी के निकास की व्यवस्था सुदृढ़ की जाये। बाढ़ से बचाव **शेष पृष्ठ 7 पर**

इमरान ने ओसामा को बताया शहीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की आतंकवादियों के प्रति प्रेम की कलई गुरुवार को उस समय खुल गई जब उन्होंने दुनियाभर में खूंखार आतंकी हमलों को अंजाम देने वाले अल-कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को राष्ट्रीय असेम्बली में 'शहीद' करार दिया। इस बयान के बाद खान विपक्ष के निशाने पर आ गये और उन्हें 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' बताया गया। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान पर पहले ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाने और आतंकी संगठनों को पनाह देने का आरोप लग रहा है। खान ने राष्ट्रीय असेंबली में शुक्रवार को अपने संबोधन में अल-कायदा सरगना और खूंखार आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को 'शहीद' करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ जंग में अमेरिका का साथ नहीं देना चाहिए था। अमेरिका पर बरसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिकी सेना ने पाकिस्तान को बताये बिना देश में घुसकर लादेन को 'शहीद' कर दिया। लादेन के मारे जाने के बाद पूरे विश्व में पाकिस्तान की ही बेइज्जती होने लगी।

विपक्ष ने ऐसे घेरा

पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के वरिष्ठ नेता ख्वाजा आसिफने श्री खान पर गरजते हुए सदन में कहा, कि इमरान खान ने ओसमा बिन लादेन को शहीद कहा है। लादेन हमारी भूमि पर आतंकवाद लाया। वह आतंकवादी था और हमारे प्रधानमंत्री उसे शहीद बता रहे हैं। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के प्रवक्ता मुस्तफा नवाज खोकर ने बयान में इमरान खान को 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' बताया है।

समाधान 10वीं-12वीं की रद्द परीक्षाओं का आंतरिक आकलन के आधार परीक्षा परिणाम जारी कर सकेगा सीबीएसई

रिजल्ट के लिए आंतरिक आकलन को 'सुप्रीम' मंजूरी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं एवं 12वीं की रद्द परीक्षाओं के लिए आंतरिक आकलन के आधार पर परीक्षा परिणाम जारी करने की योजना के बोर्ड के मसौदे को शुक्रवार को मंजूर कर लिया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय और सीबीएसई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की खंडपीठ के गुरुवार के आदेश के अनुरूप नयी अधिसूचना का मसौदा पेश किया, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि 10वीं और 12वीं की शेष परीक्षाओं को रद्द करने और उससे संबंधित विभिन्न पहलुओं पर सीबीएसई के आदेश का नियमन नयी अधिसूचना के तहत किया जाएगा। मेहता ने न्यायालय को बताया कि सीबीएसई एक घंटे के भीतर ही नयी अधिसूचना **शेष पृष्ठ 7 पर**

ये कहा नई अधिसूचना में

न्यायालय में सौंपी गयी नयी अधिसूचना में सीबीएसई ने कहा है कि उसने 10वीं और 12वीं की एक से 15 जुलाई तक होने वाली परीक्षाएं रद्द कर दी है और परिणाम के लिए आंतरिक आकलन का सहारा लिया जायेगा। नयी अधिसूचना में कहा गया है कि आंतरिक आकलन योजना के आधार पर परीक्षा परिणाम 15 जुलाई तक प्रकाशित किये जाएंगे, ताकि विद्यार्थी भारत एवं विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए नामांकन के वास्ते आवेदन कर सकेंगे।

परीक्षा का विकल्प भी खुला रहेगा

सीबीएसई ने, हालांकि यह स्पष्ट किया है कि छात्रों के लिए परीक्षा का विकल्प भी खुला रहेगा। जिन छात्रों का आंतरिक आकलन के आधार पर परीक्षा परिणाम जारी होगा, वे भी फिर से परीक्षा के विकल्प का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब तक कोई छात्र विकल्प का इस्तेमाल नहीं करता, उसका आंतरिक आकलन योजना के तहत जारी परीक्षा परिणाम अंतिम माना जायेगा। सीबीएसई ने स्पष्ट किया कि परीक्षा का विकल्प केवल 12वीं के छात्रों के लिए होगा, 10वीं के लिए नहीं। दसवीं के लिए परीक्षा परिणाम आंतरिक आकलन के आधार पर ही अंतिम होगा।

हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा : देसवाल

दिल्ली : आईटीबीपी चीफने किया 10000 बेड वाले कोविड केयर सेंटर दौरा

नई दिल्ली ए.। जानलेवा महामारी कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए दिल्ली के छतरपुर स्थित राधा स्वामी ब्यास में बनाया गया 10,000 से अधिक बेड की क्षमता वाले कोविड केयर सेंटर अब पूरी तरह से तैयार है। भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक एस.एस. देसवाल ने शुक्रवार को इस कोविड केयर सेंटर का दौरा कर इंतजामों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने इस सेंटर के प्रबंधन में लगाए लगाए गए जवानों और डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ से भी चर्चा की। देसवाल ने कहा कि आईटीबीपी को पिछले 4 महीनों में एक अच्छा खासा अनुभव प्राप्त किया है। शुरू में हमने छावला में एक कोविड क्वारंटाइन सेंटर और फिर नोएडा में हमारे 200 बेड के अस्पताल को काफी अच्छे ढंग से प्रबंधित किया है। हमारी मेडिकल

टीम इस संकट की घड़ी में लोगों की आगे भी मदद करती रहेंगी।

सुरक्षा बल और सशस्त्र पुलिस बल सभी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्र को समर्पित और पूरी तरह से तैयार हैं। हमें सभी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वो चाहे सेना या आईटीबीपी राष्ट्र की अखंडता, संप्रभुता और सीमाओं की सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित हैं।

गौरतलब है कि आईटीबीपी ने 10,000 से अधिक बेड की क्षमता वाले कोविड-19 केंद्र की देखरेख का जिम्मा बुधवार को संभाल लिया था। आईटीबीपी के अधिकारियों की एक टीम ने राधा स्वामी ब्यास केंद्र का दौरा किया और दिल्ली सरकार तथा अन्य पक्षकारों के साथ चर्चा की थी।

दिल्ली में टेस्टिंग बढ़ने से ज्यादा दिख रहे केस : केजरीवाल

नई दिल्ली ए.। दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने चिंता नहीं जताने को कहा है। केजरीवाल ने कहा कि पिछले दिनों मामले तेजी से इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि टेस्टिंग में तेजी आई है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में ज्यादातर लोगों को हल्का कोरोना हो रहा है, जिसमें भर्ती होने की जरूरत नहीं होती, मरीज खुद घर पर ही ठीक हो रहे। बताया कि आगे आईसीयू वाले बेड बढ़ाए जाएंगे। राजधानी में कोरोना के मामले पिछले दिनों तेजी से बढ़े हैं जिनमें एक-एक दिन में 3-3 हजार केस सामने आए। इसपर केजरीवाल ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टेस्टिंग बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि अब रोजोना 18 से 20 हजार टेस्ट हो रहे हैं। जबकि पहले 5-6 हजार टेस्ट होते थे। केजरीवाल ने कहा जब कम टेस्टिंग में रोज 2 हजार केस आते थे और अब इतनी टेस्टिंग पर भी मरीज 3 हजार या साढ़े तीन हजार तक ही सामने आते हैं।

एक्सप्रेस-वे पर उतरा वायुसेना का चीता हेलिकॉप्टर

सोनीपत ए.। भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर चीता में शुक्रवार को उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद हरियाणा के सोनीपत में कुंडली मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे पर उसकी आपात लैंडिंग करनी पड़ी। पायलट और को-पायलट सुरक्षित हैं। किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि वायुसेना के हेलिकॉप्टर की ऐसे आपात लैंडिंग कराई गई हो। इससे पहले बीते अप्रैल महीने में ही उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर चीता हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। हेलिकॉप्टर ने हिंडर एयरबेस से उड़ान भरी थी और बागपत के खेकड़ा इलाके में तकनीकी खराबी की वजह से अचानक हेलिकॉप्टर को ईस्टर्न पेरिफेरकल एक्सप्रेस-वे पर उतारा गया।

यूडीएच मंत्री का बयान

'मरे हुए आदमी को भी जिंदा कर सकते हैं बाबा रामदेव'

कोटा। राजस्थान में कोरोना वायरस की कथित पतंजलि दवा 'कोरोनिल' पर रोक के बाद सरकार के यूडीएच मंत्री ने योग गुरु बाबा रामदेव पर विवादित टिप्पणी की है। मंत्री शांति धारीवाल ने कहा है कि बाबा रामदेव के पास हर मर्ज की दवा है। उन्होंने कोटा में मीडिया के सामने रामदेव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'बाबा के पास हर मर्ज की दवा है। वो मरे हुए आदमी को भी जिंदा कर सकते हैं। ऐसी दवा भी बाबा रामदेव के पास हो सकती है। कोविड-19 के इलाज को लेकर पतंजलि की ओर से कोरोनिल दवा की लॉन्च करने के बाद से योग गुरु रामदेव चर्चाओं में हैं। राजस्थान में उनकी दवा के क्लिनिकल ट्रायल हुआ है या नहीं इसको लेकर भी विवाद चल रहा है। इसी बीच चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा के बाद अब प्रदेश के यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल का बाबा रामदेव की कोरोनिल दवा लेकर यह बयान वायरल हो रहा है।

एलएसी पर चीन के आक्रामक रवैये से भारत ने कहा

1990 के दशक में लौट रहे द्विपक्षीय संबंध

नई दिल्ली ए.। भारत ने आरोप लगाया है कि पूर्वी लद्दाख में अपनी आक्रामक सैन्य मुद्रा के जरिए 3488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर युद्ध जैसी स्थिति को पैदा करने की कोशिश करके चीन ने द्विपक्षीय संबंधों को 1990 के दशक में वापस पहुंचा दिया है। पीएलए के प्रमुख शी जिनपिंग ने 1993 के शांति समझौते को तोड़ दिया था। मोदी सरकार ने द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणामों के साथ उन पर कूटनीतिक अल्टीमेटम दिया है। नरसिम्हा राव-जियांग जेमिन के समय में हस्ताक्षरित 1993 के समझौते से यह स्पष्ट हो गया था कि सैन्य बलों को एलएसी पर 'न्यूनतम स्तर' पर रखा जाना चाहिए।

भारत ने बयान में यह कहा कि पिछले तीन दशकों में द्विपक्षीय संबंधों में हुआ विकास बर्बाद हो जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत एलएसी पर सेना की सैन्य मुद्रा को संभालने में काफी सक्षम है लेकिन अगर पीएलए को पीछे नहीं हटाता है तो चीन के लिए यह आसान नहीं होने वाला। भले ही पिछले तीन दिनों में चीनी वायु सेना द्वारा कोई सैन्य उड़ान नहीं भरी हो, लेकिन पीएलए ने एलएसी पर तोपखाने और मिसाइल के साथ सभी सैनिकों को तैनात किया है।

बता दें कि बीते 15 जून की रात गलवान घाटी में चीनी और भारतीय सेना की झड़प में चीन के 40 से ज्यादा जवान या तो घायल हुए या मारे गए। वहीं भारत के 20 जवान शहीद हुए। इस घटना के बाद से भारत ने 3,488 किलोमीटर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने विशेष युद्ध बलों को तैनात किया है। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारतीय सेना को पीएलए द्वारा सीमा पार से किसी भी हरकत का आक्रामकता से एलएसी पर जवाब देने का निर्देश दिया है।

शिकागो में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों का प्रदर्शन

वाशिंगटन ए.। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के एक समूह ने शिकागो में चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर पूर्वी लद्दाख में बीजिंग की आक्रमकता के खिलाफविरोध जताया। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर एकत्र होने पर लगे प्रतिबंधों और शिकागो शहर में लागू अन्य कदमों की वजह से प्रदर्शन में ज्यादा लोग शामिल नहीं हुए। शिकागो से एक प्रमुख भारतीय-अमेरिकी डॉ. भरत बराई ने बृहस्पतिवार को कहा, हमारा विरोध लेह में भारतीय सीमा में चीनी घुसपैठ के खिलाफथा। हम चीन को बताना चहाते हैं कि भारतीय-अमेरिकी शांत नहीं रहेंगे। आज पूरा विश्व भारत के साथ है। उन्होंने कहा, चीनी आक्रमकता को लेकर भारतीय-अमेरिकियों के बीच भारी आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों के हाथों में पोस्टर थे, जिसमें भारत के खिलाफ आक्रमकता के लिए चीन और अन्य पड़ोसी देशों की निंदा की गई थी।

मारे गए चीनी सैनिकों के परिवार मांग रहे हैं सम्मान

बीजिंग ए.। पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में 15 जून की रात हिंसक झड़प में भारत और चीन दोनों ही देशों के सैनिकों की जान गई। लेकिन चीन में सैनिकों और उनके परिवार का सम्मान तो दूर की बात जनता को उन सैनिकों के नाम तक नहीं बताए जाते हैं जो लड़ते हुए मारे गए। भारत की तरह शहीदों के सम्मान की मांग कर रहे चीनी सैनिकों के परिवारों को शांत करने की कोशिश करते हुए ड्रैगन ने कहा दिया है कि बाद में बताएंगे। सत्ताधारी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने एक लेख में लिखा सेना में मरने वालों को सर्वोच्च सम्मान दिया जाता है और समाज को बाद में सही समय पर सूचना दी जाएगी, ताकि हीरोज का सम्मान हो और उन्हें याद रखा जाए, जिसके वे हकदार हैं। यह देख उस वीडियो के सामने आने के दो दिन बाद लिखा गया है, जिसमें पीएलए के मारे गए सैनिकों के परिजन आक्रोश प्रकट करते हुए भारत के शहीदों की तरह सम्मान मांग रहे थे।

नहीं रोका असम का पानी हम तो बस चैनल की मरम्मत कर रहे हैं: भूटान

नई दिल्ली ए.। भूटान ने उस रिपोर्ट की वैधता का स्पष्ट रूप से खंडन किया है जिसमें कहा गया है कि देश ने असम के साथ भारत की सीमा पर सिंचाई चैनल के लिए पानी छोड़ना बंद कर दिया है। सूत्रों ने कहा कि भूटानी पक्ष ने कहा कि वे असम में पानी के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए चैनलों की मरम्मत कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि भूटान द्वारा असम को चैनल पानी की आपूर्ति रोकने की रिपोर्ट सही नहीं है। वास्तव में, भूटानी पक्ष ने यह कहते हुए स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया है कि वे असम में पानी का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए चैनलों में मरम्मत कर रहे हैं। दरअसल कई रिपोर्टों में बताया जा रहा है कि भूटान ने असम के बक्सा जिले के किसानों का पानी रोक दिया है। बक्सा जिले के 26 से ज्यादा गांवों के करीब 6000 किसान सिंचाई के लिए डोंग परियोजना पर निर्भर हैं। वर्ष 1953 के बाद से किसान धान की सिंचाई भूटान की नदियों के पानी से करते रहे हैं। इसको लेकर दो-तीन दिनों से बक्सा के किसान विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने रोंगिया-भूटान सड़क जाम की थी। किसान चाहते हैं कि केंद्र सरकार भूटान के सामने इस मुद्दे को उठाए।

दरअसल, धान के मौसम में हर साल

शेयरों में डूबे 15 लाख जवान ने लूटा एटीएम

यूट्यूब पर सीखा था चोरी का तरीका

गुरुग्राम ए.। सेना के जवान ने शेयर मार्केट में हुए 15 लाख रुपये के नुकसान की भरपाई करने के लिए सोमवार रात को अपने दोस्त के साथ मिलकर बादशाहपुर बस स्टैंड स्थित कैनरा बैंक के एटीएम को खोल कर 1.29 लाख रुपये की चोरी की थी। पुलिस ने गुरुवार को सेना के जवान प्रवीन और उसके दोस्त राहुल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि होडल निवासी प्रवीन सेना का जवान है और उसकी पोस्टिंग श्रीनगर में थी। लॉकडाउन से पहले वह घर आया था और फिर लॉकडाउन के कारण वह श्रीनगर नहीं जा पाया। लॉकडाउन के दौरान उसने शेयर मार्केट में रुपये लगाए और उसके लगभग 15 लाख रुपये डूब गए। उसके बाद उसने नुकसान की भरपाई के लिए एटीएम लूटने की योजना बनाई। एटीएम कैसे लूटना है इसकी पूरी योजना बनाई, लेकिन उसे पता नहीं था पुलिस उसे पकड़ लेगी।

दोस्त के साथ बनाई लूट की योजना

थाना बादशाहपुर प्रभारी कुलदीप ने बताया कि सेना के जवान ने एटीएम लूटने की योजना अपने दोस्त राहुल के साथ मिलकर बनाई थी। राहुल होडल के पास स्थित अपने गांव में किराना की दुकान चलाता है। एटीएम लूटने से पहले आरोपी जवान प्रवीन ने यू-ट्यूब वीडियो देखकर एटीएम खोलने से लेकर वारदात को अंजाम देने तक पूरा तरीका भी सीखा था। इसके बाद उसने एटीएम मशीन खोलने के लिए अभ्यास भी किया। एटीएम खोलने के लिए उसने पूरे औजारों का भी इंतजाम किया था। कुलदीप सिंह ने बताया कि दोनों दोस्त होडल में स्थित गांव गाडौत से 22 जून की रात को एटीएम लूटने के लिए कार से गुरुग्राम पहुंचे थे। दोनों ने बादहशाहपुर बस स्टैंड पर कैनरा बैंक के एटीएम का ताला तोड़ा और उसके बाद एटीएम के अंदर घुस गए। एटीएम के अंदर घुसने के दौरान दोनों की फुटेज भी आई थी, लेकिन उनकी पहचान नहीं हो पाई। पुलिस को आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से अहम सुराग मिले थे। उस फुटेज की जांच करते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। अभी मामले की जांच चल रही है।

एमपी : कांग्रेस में खटपट, कमलनाथ ने गोविंद को कोषाध्यक्ष पद से हटाया

उपचुनाव से पहले कांग्रेस में फिर दिखी गुटबाजी, दिग्विजय को झटका

भोपाल ए.। मध्य प्रदेश में उपचुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी में गुटबाजी फिर सतह पर आने लगी है। प्रदेश कांग्रेस में दिग्विजय और कमलनाथ के गुटों के बीच तथाकथित एकता की असलियत भी सामने आने लगी है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ ने शुक्रवार को बड़ा बदलाव करते हुए प्रदेश कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल को पीसीसी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। गोयल को दिग्विजय सिंह का समर्थक माना जाता है और कमलनाथ की इस कार्रवाई के बाद प्रदेश कांग्रेस में नए सिरे से गुटबाजी की शुरुआत हो सकती है।

2018 में विधानसभा चुनावों के बाद जब कमलनाथ सीएम बने थे, तब से दिग्विजय उनके सबसे बड़े सिपहसालार बने हुए हैं। इस साल मार्च में ज्योतिरादित्य सिंधिया की कांग्रेस से विदाई को भी पार्टी में कमलनाथ और दिग्विजय के गुटों द्वारा उनके ऊपर बनाए गए दबाव का नतीजा माना गया। हाल में राज्यसभा चुनाव के लिए विधानसभा में वोटिंग के दौरान भी कमलनाथ ने दिग्विजय की जीत के लिए हर कोशिश की, लेकिन अब दोनों के बीच की तथाकथित दोस्ती नए रंग में नजर आ सकती है।

कमलनाथ की सरकार गिरने के बाद से ही दिग्विजय की उसमें भूमिका को लेकर कयास लगने लगे थे। कई कांग्रेस नेताओं ने भी दबी जुबान में माना कि दिग्विजय की राज्यसभा पहुंचने की जिद से सिंधिया-समर्थक विधायक पार्टी छोड़ने को मजबूर हुए, लेकिन कमलनाथ चुप्पी साधे रहे। अब जबकि विधानसभा की 24 सीटों के लिए उपचुनाव सर पर हैं, कमलनाथ ने गोयल को पद से हटाकर दिग्गी को झटका दिया है।

कानपुर शेल्टर होम कांड : राष्ट्रीय महिला आयोग का डीएम को नोटिस, मांगी रिपोर्ट

कानपुर ए.। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा कानपुर संवासिनी केस में की गयी शिकायत का संज्ञान लेते हुए डीएम कानपुर नगर डॉ. ब्रह्मदेव राम तिवारी को नोटिस जारी किया है। आयोग की सदस्या कमलेश गौतम द्वारा निर्गत नोटिस में कहा गया है कि शिकायत में महिलाओं के अधिकार और गरिमामय जीवन के अधिकार के हनन की शिकायत है।

आयोग ने डीएम कानपुर नगर को मामले को देखते हुए विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए आयोग को 30 दिन में कृत कार्यवाही से अवगत कराये जाने हेतु निर्देशित किया है। नूतन ने अपनी शिकायत में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान रिट याचिका संख्या 4/2020 में अपने अत्यंत विस्तृत आदेश दिनांक 03 अप्रैल 2020 में कोविड काल में बाल सुरक्षा गृहों हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए, जिसकी प्रति ईमेल के माध्यम से सभी प्रदेश के मुख्य सचिवों को भेजी गयी. इस आदेश में कोविड से बचाव के लिए तमाम बिन्दुओं पर अत्यंत विस्तार से निर्देश दिए गए हैं।

100 बच्चियों की अधिकतम क्षमता

नूतन के अनुसार इसके बाद भी कानपुर संवासिनी गृह में उक्त आदेशों का पालन नहीं किया गया। जहां उक्त संवासिनी गृह की अधिकतम क्षमता 100 बच्चियों की थी, वहीं वहां 171 बच्चियां तथा 26 स्टाफरखे गए थे, जो निर्धारित संख्या से बहुत अधिक थे। इसी प्रकार 7 बच्चियां गर्भवती थीं और लगभग 06 माह से वहां रह रही थीं, इसके बाद भी उनके स्वास्थ्य के प्रति कोई भी अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। अतः उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की खुली अवहेलना किये जाने के संबंध में अविलंब क्षतिपूर्ति एवं जांच कराते हुए कार्यवाही की मांग की है।

मैं इंदिरा की पोती...ट्वीट से सीएम योगी पर प्रियंका का पलटवार

लखनऊ ए.। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को ट्वीट कर चुनौती दी कि वह उनके खिलाफ जो भी कार्रवाई करना चाहती है करे। वह इंदिरा गांधी की पोती हैं और सच्चाई को सामने रखती रहेंगी। कानपुर शेल्टर होम प्रकरण को लेकर प्रियंका गांधी के ट्वीट पर यूपी के बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने उन्हें नोटिस भेजा था। इसी के जवाब में प्रियंका ने ये बातें कहीं। प्रियंका ने शुक्रवार को अपने ट्वीट में न सिर्फयोगी सरकार पर निशाना साधा बल्कि इशारों-इशारों में बीएसपी चीफमायावती को भी निशाने पर लिया है। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा, 'जनता के एक सेवक के रूप में मेरा कर्तव्य यूपी की जनता के प्रति है और कर्तव्य सच्चाई को उनके सामने रखने का है। किसी सरकारी प्रॉपगैंडा को आगे रखना नहीं है।' उन्होंने आगे कहा कि यूपी की सरकार उन्हें 'फिजूल की धमकियां देकर' अपना समय व्यर्थ कर रही है। प्रियंका ने कहा, '(योगी आदित्यनाथ) जो भी कार्रवाई करना चाहते हैं, बेशक करें। मैं सच्चाई सामने रखती रहूंगी। मैं इंदिरा गांधी की पोती हूं। कुछ विपक्ष के नेताओं की तरह बीजेपी की अघोषित प्रवक्ता नहीं।'

सत्ता में बने रहने सेना की मदद ले रहे ओली, हमें जेल में डालने की तैयारीः प्रचंड

सरकार के खराब प्रदर्शन पर दहल ने कहा- जनता की उम्मीदें पूरी नहीं कर रही सरकार

काठमांडू ए.। भारत के साथ सीमा विवाद और नागरिकता को लेकर कड़े तेवर अपना रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी में विवाद गहराता ही जा रहा है। सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के गले की फांस बनती दिख रही है। नेपाल की सत्ताधारी कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकारी चेयरमैन पुष्प

नेपाल की सत्ताधारी पार्टी में बवाल बढ़ा, प्रचंड ने मांगा पीएम ओली का इस्तीफा

कमल दहल 'प्रचंड' ने पीएम ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनाना उनकी सबसे बड़ी भूल थी।

प्रचंड ने खुलासा किया कि पीएम ओली खुद की कुर्सी बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ओली प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए नेपाली सेना का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने सुना है कि पीएम ओली सत्ता में बने रहने के लिए पाकिस्तानी, अफगानी या बांग्लादेशी मॉडल को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस

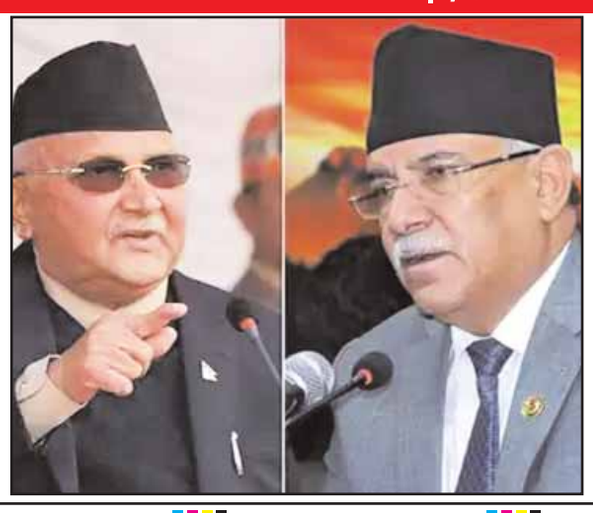

तरह के प्रयास नेपाल में सफल नहीं होंगे।

प्रचंड बोले- मुझे जेल भेजने की तैयारी में ओली

प्रचंड ने ओली को चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी हमें भ्रष्टाचार के नाम पर जेल नहीं भेज सकता है। सेना की मदद से देश पर शासन करना आसान नहीं है। प्रचंड ने ओली पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के साथ गठबंधन करके या पार्टी को विभाजित कर सरकार चलाना संभव नहीं है।

पीएम ओली के इस्तीफे की मांग तेज

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में ज्यादातर सदस्यों ने पीएम ओली से इस्तीफे की मांग की है। वहीं ओली ने इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया है। दोनों नेताओं ने एक दूसरे के ऊपर बैठक के दौरान जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। प्रचंड ने जहां सरकार के फेल होने की बात कही, वहीं ओली ने कहा कि प्रचंड ने पार्टी को बर्बाद कर दिया है।

उम्मीदों पर खरी उतरने में विफल सरकार'

पार्टी की स्टैंडिंग कमिटी की मीटिंग में दहल ने कहा कि सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरने में विफल रही है। उन्होंने चेयरपर्सन और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पर अदल-बदलकर पावर शेयरिंग के समझौते का उल्लंघन करने का आरोप भी लगाया। दहल ने कहा, 'हम पार्टी के एकीकरण के वक्त सरकार को अदल-बदलकर चलाने के लिए सहमत हुए थे लेकिन मैंने खुद अपने कदम पीछे खींच लिए। सरकार का काम देखने के बाद मुझे लग रहा है मैंने ऐसा करके गलती की। दहल ने यह भी कहा कि अगर सरकार समाजवाद हासिल करने के अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाती है, तो पार्टी को अगले चुनावों में असफलता देखनी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार और पार्टी दोनों संकट में हैं। दूसरी ओर ओली ने सरकार का बचाव करते हुए कहा कि प्रशासन देशहित में जुटा हुआ है और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता ही विपक्ष की तरह बर्ताव कर रहे हैं।

नेपाल में सत?ता में वामपंथी,

न्यूज गैलरी

सड़क सुरक्षा नवाचार की वार्षिक पुस्तिका का होगा प्रकाशन

भोपाल। मध्यप्रदेश में सड़क सुरक्षा नवाचार की वार्षिक पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। इसमें वर्ष 2019 में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु को रोकने में किये गये कार्य और नवीन प्रयासों की जानकारी का संग्रहण होगा। लीड एजेंसी कार्यालय, पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान ने इस संबंध में संबंधित नोडल विभागों से किये गये प्रयासों की जानकारी माँगी है। साथ ही सड़क सुरक्षा विषय पर प्रशिक्षण करवाये जाने के लिये नवीन रोड सेफ्टी अधिकारियों के नामांकन को भी प्रेषित करने को कहा गया है। सभी शासकीय एवं प्रायवेट एम्बुलेंस की मेपिंग के संबंध में अभी 25 जिलों की मेपिंग की जानकारी प्राप्त करने के लिये संबंधित को निर्देशित किया गया है। रोड सेफ्टी ऑडिट प्रशिक्षण के वार्षिक कैलेण्डर के अनुसार कार्यवाही को प्राथमिकता से करने को कहा गया है।

गरीब कल्याण रोजगार अभियान के क्रियान्वयन हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित

भोपाल। राज्य शासन ने गरीब कल्याण रोजगार अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और समयबद्ध आयोजना, समन्वय एवं सहयोग के लिये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है । समिति में सदस्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव होगें । अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव वित्त, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव खनिज संसाधन, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव वन, अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव कृषि एवं उद्यानिकी, अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव लोक निर्माण, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव नवकरणीय ऊर्जा, अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव श्रम, रेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार के प्रतिनिधि सदस्य होगें। भारत सरकार ने 20 जून 2020 से गरीब कल्याण रोजगार अभियान प्रारंभ किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से जनित परिस्थितियों के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में आए प्रवासी श्रमिकों और प्रभावित अन्य ग्रामीणों को रोजगार तथा अजीविका के तात्कालिक अवसर उपलब्ध कराना है। इस उद्देश्य से शासकीय विभागों में समन्वय और उनकी योजनाओं व संसाधनों के द्वारा अद्योसंरचना व परिसंपत्ति निर्माण तथा आर्थिक क्षेत्र के विनिर्दिष्ट कार्यो का क्रियान्वयन गरीब कल्याण रोजगार अभियान के लिये 125 दिन की अवधि में किया जाना है।

मप्र: अनलॉक 1 का 26वां दिन

राज्य में एक दिन में कोरोना से 8 लोगों की मौत, अब तक 12670 संक्रमित; मुरैना में चंबल नदी की सीमा सील

राजभवन में शुक्रवार को फिर से 5 पॉजिटिव मिले, अब तक 37 कर्मचारी हो चुके हैं संक्रमित

ग्वालियर-चंबल अंचल में 57 मामले आए, मुरैना में पांच दिन के अंदर 99 पॉजिटिव मिले

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। राज्य में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में ब्रेक लगता नहीं दिख रहा है। प्रदेश में 24 घंटे के अंदर 197 नए मरीज मिले हैं। वहीं 8 लोगों की संक्रमण से मौत की पुष्टि हुई है। प्रदेश राजधानी में सबसे ज्यादा केस निकल रहे हैं, यहां शुक्रवार को 50 नए केस मिले। राजभवन हॉटस्पॉट बना हुआ है, 5 और लोग संक्रमित हुए हैं। यहां पर अब तक 37 लोग संक्रमण का शिकार हो चुके हैं, जिसमें ज्यादातर सुरक्षा कर्मचारी हैं। संक्रमितों में दूसरे नंबर पर ग्वालियर-चंबल संभाग है। जहां पर 57 मामले सामने आए। अंचल में अब तक 900 कोरोना

संक्रमित मिल चुके हैं। मुरैना में पांच दिन में 99 मामले सामने आए हैं। राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 12670 हो गई है। वहीं, महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 542 पहुंच चुका है। मुरैना में लगातार बढ़ते केस को देखते हुए चंबल नदी पर एक बार फिर सीमा को सील कर दिया गया है। शहर में ई-रिक्शा के संचालन पर भी रोक लगा दी गई है। आगरा और धौलपुर से आने वाले लोगों को अब पास बनवाना पड़ेगा। साथ ही बॉर्डर पर आने-जाने वालों के टेस्ट भी किए जा रहे हैं।

मध्य प्रदेश का रिकवरी रेट 76 प्रतिशत से अधिक, देश में दूसरा

गुरुवार को हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद जानकारी दी गई कि इंदौर और भोपाल जिलों को छोड़कर प्रदेश के अन्य जिलों में औसतन जनरल बेड 9त्न और आईसीयू बेड 6त्न ही उपयोग में लाए जा रहे हैं। कुल 76.4 प्रतिशत रिकवरी रेट के साथ मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। भारत के बड़े प्रांतों में एक्टिव केस संख्या की दृष्टि से राज्य की स्थिति काफी ठीक हुई है। इस समय मध्यप्रदेश 2441 एक्टिव केस के साथ 13वें नंबर पर है।

दावा- कोरोना का डबलिंग रेट अन्य राज्यों से ज्यादा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दावा कर रहे हैं कि मध्य प्रदेश का पॉजिविटी रेट देश के पॉजिविटी रेट 6.26 से काफी कम 3.92 प्रतिशत है। वहीं डबलिंग रेट 47.7 दिन है, जो अन्य ब? राज्यों में ज्यादा है। इसका अर्थ है कि प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार को कम करने में ज्यादा सफलता मिली है। बताया गया कि प्रदेश में 47 जिलों में कम से कम एक एक्टिव केस और 23 जिलों में 10 से कम एक्टिव केस हैं। पांच जिलों में एक भी एक्टिव केस नहीं है।

लॉकडाउन का असर

भोपाल में रात डेढ़ बजे स्कूल ड्रेस में 13 साल का किशोर पुलिस को मिला, स्कूल बैग टांगकर बुआ की याद में घर से गुना जाने के लिए निकला था

पुलिसकर्मियों से बोला- बुआ की बहुत याद आ रही है, घर पर किसी को भी बताकर नहीं आया हूं

कुछ देर की बातचीत के बाद पुलिस ने नंबर लिया, मां और परिजन पहले से कर रहे थे तलाश

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में 13 साल का एक किशोर रात करीब डेढ़ बजे

निशातपुरा इलाके में पुलिस को स्कूल ड्रेस में घूमता मिला। वह स्कूल बैग लेकर पैदल-पैदल सुनसान रास्ते पर चला जा रहा था। पुलिसकर्मियों के पूछने पर बोला- लॉकडाउन के कारण बुआ से नहीं मिल पा रहा हूं। उनकी बहुत याद आ रही है। मैं उनसे मिलने गुना जा रहा हूं। पुलिस ने रात भर की मेहनत के बाद बच्चे को उसके परिजनों को सौंप दिया। भोपाल पुलिस के निशातपुरा थाना इलाके में गुरुवार रात पुलिस ड्यूटी पर थी। एसआई नेगी और आरक्षक राहुल सिकरवार ने इसी दौरान एक छोटे से बच्चे को सड़क पर अकेला घूमता देखा। वह रात के अंधेरे में सुनसान रास्ते पर स्कूल ड्रेस पहने कंधे पर स्कूल बैग लिए पैदल चला जा रहा था। उन्होंने उसे रोका। उसके बाद उससे प्यार से बात करते हुए उसके इतनी रात में घूमने का कारण पूछा। पुलिसकर्मियों को पहले लगा कि बच्चा घर से गुस्से में भागकर आया होगा। थोड़ी देर बात करने के बाद किशोर ने अपना नाम सूरज बताते हुए कहा- मैं लाल-पीले क्वार्टर में मां के साथ रहता हूं। लॉकडाउन होने के कारण बुआ से नहीं मिल पा रहा हूं। उनकी बहुत याद आ रही है। घर में किसी को भी बिना कुछ कहे चुपचाप निकल आया हूं। बुआ के पास गुना जा रहा हूं।

प्रभात झा के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार

झा के सारे आरोप झूठे, चीन के एजेंट बनने का काम तो शिवराज जी ने किया : नरेंद्र सलूजा

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी पर लगाए आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रभात झा जी की मानसिक स्थिति हम समझ सकते हैं , जब से उनके कट्टर विरोधी श्री ज्योतिरदित्य सिंधिया ,जिनके खिलाफ उन्होंने निरंतर भूमाफिया होने के आरोप लगाए थे , को जब से पार्टी ने राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है ,तब से वे बेचैन है और उसी बौखलाहट में इस तरह के उल जलुल बयान दे रहे हैं।10 बार के सांसद कमलनाथ जी पर आरोप लगाने से पहले प्रभात जा एक बार पार्षद का या सरपंच का चुनाव लड़कर जीत लें , फिर कमलनाथ जी जैसे बड़े कद के नेता पर इस तरह के आरोप उन्हें लगाना चाहिए। सलूजा ने कहा कि झा कह रहे हैं कमलनाथ जी जब केंद्रीय मंत्री थे ,तब उन्होंने चीन के एजेंट के रूप में काम किया था।झा पहले कमलनाथ जी जब केंद्रीय मंत्री थे , उस वर्षो पुरानी बात को छोड़कर पहले शिवराज सिंह जी की प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सितंबर 2011 की चीन यात्रा को देख ले ,वर्ष 2016 की 19 जून से 23 जून तक की 5 दिवसीय चीन यात्रा को देख ले , शिवराज जी का 26 जून 2016 का चीन को लेकर किया ट्वीट पहले पढ़ ले , प्रदेश में निवेश को लेकर व योजनाओं में सहायता को लेकर किस प्रकार से चीन जाकर शिवराज जी ने गुहार लगाई थी , उसे देख ले , इंदौर में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर मीट के दौरान इंदौर के पीथमपुर में चीनी कंपनियों के लिए अलग से जमीन रखवा कर उन्हें विशेष रियायतें प्रदान की थी , यह सब बातें पहले एक बार प्रभात झा अध्ययन कर ले फिर शायद वह कमलनाथ जी को छोड़कर शिवराज जी को चीन का एजेंट बताने लगेंगे। उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि जब नरेंद्र मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने चार बार चीन की यात्रा की थी ।

विधायक शशांक भार्गव पर हमला करने वाले दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी हो : कमलनाथ

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। पूर्व रक्षा राज्य मंत्री सुरेश पचौरी के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल विदिशा में कांग्रेस पार्टी के विधायक शशांक भार्गव के ऊपर हुए जानलेवा हमले के विरोध में पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी से मिला। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रजापति, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, जीतू पटवारी, पी.सी. शर्मा, विधायक आरिफ मसूद, देवेन्द्र पटेल कांग्रेस महामंत्री राजीव सिंह प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता, गुड्डू चैहान मौजूद थे। पचौरी ने पुलिस महानिदेशक को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पत्र सौंपते हुए तत्काल दोषियों पर कार्यवाही की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने पत्र में कहा है कि पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतों के विरूद्ध कांग्रेस के शांतिपूर्ण विरोध को हताश करने के लिए भाजपा अपराधिक हमले कर रही है।

विदिशा नगर पलिका के पूर्व अध्यक्ष मुकेश टंडन एवं उसके सौ-डेढ़ सौ समर्थकों का हमला इसी अराजक चेष्टा का हिस्सा है। कमलनाथ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा निर्वाचित विधायक के साथ सरेआम इस तरह की घटना को अंजाम देना प्रदेश में कानून-व्यवस्था पर स्वमेव प्रश्न चिन्ह लगाता है। विगत कुछ समय से इस तरह की घटनाएं बढ़ना प्रदेश में अपराधिक एवं असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद होना प्रदर्शित करती है। इस तरह की निरंतर घटनाओं से प्रदेश में अराजकता का वातावरण बन रहा है एवं जनता में भय व्याप्त हो रहा है। मध्य प्रदेश को शांति का टापू कहा जाता है, यह प्रशासन की निष्क्रियता के कारण कहीं अशांति के टापू में तब्दील न हो जाए। यह स्थिति प्रदेश के लिये घातक है। भाजपा की सरकार आने के बाद प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित करने के लिये इस तरह के हमलों में लगातार वृद्धि हो रही है ।

16 सीटें बनीं महाराज और राजा के बीच नाक का सवाल, कांग्रेस ने बनाया स्पेशल प्लान

मध्यप्रदेश में होने वाले 24 सीटों के उपचुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने एक स्पेशल प्लान बनाया है और अब वह 16 सीटों पर खास तैयारी में जुट गई है..

भोपाल/नवप्रदेश। सत्ता की चाबी दोबारा हासिल करने के लिए मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने 24 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने निजी सर्वे कंपनियों की सर्वे रिपोर्ट के बाद एक खास प्लान बनाया है। ये खास प्लान उन 16 सीटों के लिए बनाया गया है जहां पर सर्वे में कांग्रेस कमजोर मिली है। ये सभी 16 सीटें ग्वालियर-चंबल संभाग की हैं जहां सिंधिया का दबदबा है और सिंधिया के कांग्रेस का हाथ छोड़ने के बाद यहां पर कांग्रेस पार्टी की स्थिति खराब हो गई है।

16 सीटों के लिए कांग्रेस का प्लान

सर्वे में 16 सीटों पर कांग्रेस की स्थिति कमजोर होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने इन सीटों पर फोकस बढ़ा दिया है। उपचुनाव के लिए विधानसभा वार नियुक्त पूर्व मंत्री और विधायकों को आगाह कर दिया गया है और ये निर्देश दिया गया है कि कमजोर बूथ को मजबूत करें और एक हफ्ते में काम की रिपोर्ट सीधे उन तक पहुंचाएं। खबर तो ये भी है कि इस रिपोर्ट को कमलनाथ पार्टी अध्यक्ष तक भी पहुंचाएंगे।

सिंधिया के पार्टी छोड़ने का असर

जिन 16 सीटों पर सर्वे में कांग्रेस की स्थिति कमजोर आई है वो सीधे सीधे ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रभाव वाला इलाका है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाने पर उनके साथ इन सीटों के विधायक और कई कार्यकर्ता भी कांग्रेस का हाथ छोड़ चुके हैं। कुछ सीटों के हालात तो ये हैं कि वहां नेता तो छोड़िए गिने चुने कार्यकर्ता ही कांग्रेस के पास बचे हैं। ऐसे में कांग्रेस ने बूथ लेवल से पार्टी को मजबूत करने का काम शुरु कर दिया है।

ये 16 सीटें बनीं नाक का सवाल

चलिए अब आपको उन 16 सीटों के बारे में बताते हैं जहां कांग्रेस की स्थिति सर्वे में कमजोर आई है। इन सीटों में मुरैना जिले की जौरा, सुमावली, मुरैना, दिमनी और अंबाह भिंड जिले की मेहगांव और गोहद सीट, सागर की सुरखी सीट, ग्वालियर जिले की ग्वालियर और ग्वालियर पूर्व सीट, ग्वालियर ग्रामीण की डबरा सीट, दतिया जिले की भांडेर सीट शिवपुरी जिले की करेरा, पोहरी और बामोरी सीट और अशोकनगर जिले की अशोकनगर और मुंगावली सीट शामिल है।

मौसम | एमपी के लिए में मौसम विभाग ने जारी किया बड़ा अलर्ट

13 जिलों में धमाकेदार बारिश का अलर्ट, इन जगहों पर व्रजपात की संभावना

प्रदेश के 13 जिलों में होगी धमाकेदार बारिश, कई जगहों पर व्रजपात की आशंका

राजधानी भोपाल में शुक्रवार दोपहर से हो रही है रुक-रुक कर बारिश

जून में ही भोपाल में सामान्य से कई गुणा अधिक बारिश हुई

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। एमपी में मॉनसून ने दस्तक दे दी है। पिछले कई दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों में बारिश हो रही है। शुक्रवार दोपहर को भोपाल में भी बारिश हुई है। इस बीच मौसम विभाग ने एक

बड़ा अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। साथ ही कुछ व्रजपात की भी संभावना है। भोपाल में गरज-चमक के साथ बारिश हो रही है। दरअसल, मौसम विभाग ने देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के लिए चेतावनी जारी की है। वहीं, आसमान से गिरी बिजली से बिहार में भारी तबाही हुई है और 100 के करीब लोगों की जान भी गई है। एमपी में भी मौसम विभाग ने अपने पूर्वनुमान में एक दर्जन से ज्यादा जिलों में गरज चमक के साथ बिजली चमकने और गिरने की संभावना व्यक्त की है। ऐसे में सावधान रहने की जरूरत है।

इन जिलों में व्रजपात की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार भोपाल, जबलपुर, होशंगाबाद संभागों के जिलों में और सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, उज्जैन, देवास, शाजापुर, खंडवा और अशोकनगर जिलों में वज्रपात हो सकती है। मौसम विभाग का यह अलर्ट 24 घंटों के लिए हैं।

बीते 24 घंटों में इन जगहों पर हुई बारिश

बीते 24 घंटों के दौरान एमपी में कई जगहों में बारिश हुई है। गौतमपुरा, मुलताई में 7, सिवनी में 4, भोपाल, बिछुआ, पाली, उमरिया, बुढार, माडा, बीना, रीठी, चौरई, केवलारी, गुनौर, मोहखेड़ा, लखनादौन, पटेरा, शाहपुरा, सिंगरौली, गोपहरू, प्रभातपट्टन, बरेली और अमला में 2 सेमी बारिश हुई है। वहीं, भोपाल में बारिश की वजह से कई जगहों पर जल जमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। क्योंकि अनलॉक होने के बाद भोपाल की सड़कों पर भीड़ बढ़ गई है।

भारी बारिश का अलर्ट

वहीं, मौसम विभाग ने एमपी के 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। होशंगाबाद, बैतूल, हरदा, आगर, शाजापुर, खंडवा, विदिशा, अशोकनगर, उमरिया, डिंडोरी, मंडला, दमोह और सागर में बारिश बारिश हो सकती है। ऐसे में इन जिलों में संभल कर रहने की जरूरत है। साथ ही भोपाल के आसपास के इलाकों में 16 किमी प्रति घंटे के रफ्तार से हवा भी चलेगी।

गेहूं व अन्य अनाज का बारिश में भीगना चिंता का विषय, मप्र सरकार उसे सुरक्षित स्थान पर रखवाने की तुरंत व्यवस्था करे

जनहित याचिका का निराकरण करते हुए कोर्ट ने दिए आदेश

22 जून को सुनवाई पूरी कर सुरक्षित रख लिया था फैसला

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल/इंदौर। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने प्रदेश सरकार को आदेश दिए हैं कि प्रदेशभर की अनाज मंडियों में जो गेहूं खुले में रखा हुए है उसे सुरक्षित स्थान पर रखवाने की तुरंत व्यवस्था की जाए। कोर्ट ने कहा कि गेहूं व अन्य अनाज का बारिश में भीगना चिंता का विषय है। अनाज को बचाने के हरसंभव प्रयास किए जाना चाहिए। प्रदेश की मंडियों में बारिश से गेहूं भीगने को लेकर

एक जनहित याचिका मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ दायर की गई थी। 22 जून 2020 को कोर्ट ने इसे सुनकर फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस एससी शर्मा, जस्टिस शैलेंद्र शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश जारी किए हैं?। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनीष यादव ने पैरवी की थी। याचिका में उल्लेख किया था कि इस बार देश में सबसे ज्यादा गेहूं मध्यप्रदेश में हुआ है। लेकिन बारिश की वजह से हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया। जनता से टैक्स के रूप में मिले पैसों से सरकार ने इसकी खरीदी की है। वहीं शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता पुष्यमित्र भार्गव ने पैरवी की थी। शासन की ओर से कोर्ट में कहा गया कि केवल सूचनाओं के आधार पर याचिका दायर की है। इसमें कोई आंकड़े नहीं है। इसे खारिज किया जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने गेहूं के भंडारण, भीगने से बचाने के आदेशों के साथ याचिका निराकृत कर दी।

संपादकीय

भारत को मिला अमेरिका का साथ

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद दोनों देशों के बीच तनाव को बढ़ा रहा है। चीन लगातार अपनी चालबाजियों से तनाव का माहौल पैदा कर रहा है, एक ओर तो वह सीमा विवाद को द्विपक्षीय वार्ता के जरिए हल करने का दम भरता है वहीं दूसरी ओर वह तनाव बढ़ाने वाली हरकतों से बात नहीं आ रहा है। सैटेलाईट इमेज से चीन की पोल खुल गई है, उसने पैगांग इलाके में फिगर फोर और फिंगर फाईफ के पास अपने सेना की तैनाती बढ़ा दी है, जवाब में भारत ने भी उस क्षेत्र में अपनी सेना की संख्या बढ़ा दी है। चीन की ओर से किसी भी तरह की गड़बड़ का सामना करने के लिए भारत ने लद्दाख में अपने खतरनाक टैंक भीष्म के साथ ही बोफोर्स तोप को भी तैनात कर रखा है। यदि जंग की नौबत आती है तो उस पहाड़ी क्षेत्र में चीन पर भारतीय सेना निश्चित रूप से भारी पड़ेगी। इस बीच पहली बार अमेरिका खुल कर भारत के समर्थन में आ गया है, अमेरिका ने चीन के खिलाफ भारत को हर संभव सहयोग देने का न सिर्फ वादा किया है बल्कि अमेरिकी सेना को भी भारत की मदद के लिए रवाना कर दिया है, निश्चित रूप से इससे भारतीय सेना की ताकत और बढ़ा जाएगी। रूस ने भी भारत के साथ हुए रक्षा समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है इस पर भी चीन ने आपत्ति उठाई है लेकिन चीन की आपत्ति को दरकिनार करते हुए रूस ने भारत को सैन्य साजों सामान जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की बात कही है। इजराईल ने तो पहले ही कह दिया है कि चीन को भारत से जंग लड़ने से पहले इजराईल के साथ मुकाबला करना होगा। चीन की साम्राज्यवादी नीति से त्रस्त हो चुके उसके अन्य पड़ौसी देश भी खुल का भारत के सामर्थ में आ सकते है। सिर्फ पाकिस्तान की चीन के अहसानों के बोझ तले दबा हुआ है और भारत का दुश्मन है इसलिए पाकिस्तान चीन के पक्ष में है लेकिन भारत को इसकी चिंता नहीं है। आज की स्थिति में भारत को दुनिया भर का जो समर्थन मिल रहा है उसे देखते हुए यह कहना अतिश्योक्ती नहीं होगी की भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों के दांत खट्टे कर सकता है। बहरहाल देखना होगा कि चीन अपनी चालबाजियों से तौबा करता है या जंग के हालात निर्मित कर आ बैल मुझे मार वाली कहावत को चारितार्थ करता है।

विचार-

1975 की 26 जून का वह दिन

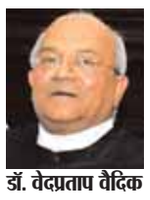

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अब 45 साल बाद वह दिन फिर याद आया है। उन दिनों मैं नवभारत टाइम्स का सह-संपादक था। गर्मियों की छुट्टियों में अपने शहर इंदौर में था। 26 जून की सुबह-सुबह मैं अपने मित्र कुप्प सी. सुदर्शन से मिलने गया, सियागंज के पास एक अस्पताल में। वे बाद में आरएसएस के सरसंघचालक बने। सुदर्शनजी का पांव टूट गया था। मेरे जाते ही सुदर्शनजी ने अपना ट्रांजिस्टर चलाया। पहली खबर सुनते ही रोंगटे खड़े हो गए। 25 जून की रात को ही आपात्काल की घोषणा हो गई थी और सूर्योदय के पहले जयप्रकाशजी समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। सुदर्शनजी से मिलने के बाद मैं सीधे 'नई दुनिया' के कार्यालय पहुंचा। उसके मालिक लाभचंदजी छजलानी, तिवारीजी, प्रधान संपादक राहुलजी बारपुते, अभयजी छजलानी आदि हम सब लोग एक साथ बैठे और यह तय हुआ कि इस मप्र के सबसे लोकप्रिय अखबार के संपादकीय की जगह खाली छोड़ दी जाए। अखबारों पर पाबंदियों के निर्देश तब तक सबके पास पहुंच गए थे। दोपहर की रेल पकड़कर मैं दिल्ली आ गया। नवभारत टाइम्स के सारे पत्रकारों की बैठक 27 जून को हुई, जिसमें सभी पाबंदियों को पढ़ा गया। हमारे संपादक श्री अक्षयकुमार जैन के कमरे में जाकर मैंने कहा कि मैं अपना इस्तीफा अभी ही देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं आपसे राष्ट्रीय राजनीति पर संपादकीय लिखने के लिए कहूंगा ही नहीं। आप अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विशेषज्ञ हैं। आप बस, उसी पर लिखते रहिए। आपात्काल के सभी उल्टे-सीधे कामों पर मुझसे वरिष्ठ जो दो सह-संपादक थे, वे ही बराबर तालियां बजाते रहे। तीसरे दिन कुलदीप नय्यरजी ने दिल्ली के प्रेस क्लब में पत्रकारों की एक सभा बुलाई। कुलदीपजी और मैंने आपात्काल की भर्त्सना की। उसके बाद मैंने कहा कि यहां रखे रजिस्टर पर सभी पत्रकार दस्तखत करें। देखते ही देखते हॉल खाली हो गया। मेरे सहपाठी और जनसत्ता के संपादक प्रभाष जोशी का शायद उस रजिस्टर में पहला दस्तखत था। अगले दो-चार दिनों में भारतीय पत्रकारिता की दुनिया ही बदल गई। शास्त्री भवन में बैठे एक मलयाली अफसर को दिखाए बिना किसी अखबार का संपादकीय छप ही नहीं सकता था। बड़े-बड़े तीसरमारखां संपादक नवनीत-लेपन विशारद सिद्ध हो रहे थे। जेल में फंसे और छिपे हुए कई नेताओं से मेरा संपर्क बना हुआ था। अटलजी,चंद्रशेखरजी राजनारायणजी, मधु लिमये, जार्ज फर्नांडिस, बलराज मधोक आदि के संदेश मुझे नियमित मिला करते थे। उस समय के कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों जगजीवन राम, कमलापति त्रिपाठी, प्रकाशचंद मेठी, विद्याचरण शुक्ल आदि से मेरा निजी संपर्क था। सबकी बोलती बंद थी। उन दिनों विद्या भय्या (सूचना मंत्री) और मेरा भाषण जबलपुर विश्वविद्यालय में हुआ था। मैंने आपात्काल की खुलकर आलोचना की। विद्या भय्या मुझसे बात किए बिना चल पड़े। रात को शहर में कई पत्रकार मुझसे गुपचुप मिलने आ गए। 'हिंदुस्तान टाइम्स' के संपादक जॉर्ज वर्गीज का एक दिन फोन आया कि उन्हें और मुझे कल सुबह गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इंदौर में मेरे पिताजी पहले से ही जेल में थे और अपने छात्र-काल में मैं कई बार जेल काट चुका था। मैंने पूरी तैयारी कर ली थी लेकिन कोई पकड़ने आया नहीं। कई और संस्मरण फिर कभी।

चीन की भारत को हिमालायी चुनौती

अंजन रॉय

> वास्तव में, भारत के प्रति चीन की अड़ियल दुश्मनी वैश्विक प्रवचन में भारत के वजन का प्रतिबिंब है। आज, चीन भारत के साथ दुर्गम लद्दाख क्षेत्र और उत्तरी सिक्किम में भूमि के छोटे स्लाइस के लिए लड़ रहा है। चीन निश्चित रूप से जानता है कि सामरिक दृष्टि से, यह हिमालयी इलाके में पर्याप्त जमीन हासिल करने के लिए कोई केकवाक नहीं होगा। यह संभवतः केवल पहला दौर है। इसकी अगली चाल हिंद महासागर में आएगी। चीन मुख्य भूमि से दूर अपनी शक्ति का अनुमान लगाने के लिए जहाजों के अपने फ्लोटिला का निर्माण कर रहा है। पाकिस्तान में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का व्यापक उद्देश्य अरब सागर तक अपनी महत्वपूर्ण सड़क सुविधा काराकोरम से पहुँचाना है। चीन इसी उद्देश्य से पाकिस्तान के ग्वादर में बंदरगाह का निर्माण कर रहा है। एक बार जब ग्वादर कार्यात्मक हो जाता है, चीन उस क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण नौसैनिक संसाधनों को तैनात करने की स्थिति में होगा और फिर अरब सागर तक पहुंच प्राप्त कर लेगा।

किसी भी चीज से भारतीय सेना के बीस युवा जीवन की क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती है, लेकिन भारत की हिमालय सीमा पर घटित इस प्रकरण ने वैश्विक भू-राजनीतिक कथा में एक अच्छा बदलाव किया है। चीन अब एक वैश्विक शक्ति है, और वह भारत को एशिया में अपने प्रमुख स्थान प्राप्त करने की दिशा में अपनी सबसे बड़ी ठोकर मानता है।

कुछ समय पहले, जैसा कि कई लोग याद करेंगे, भारत का पाकिस्तान के साथ तुलना हुआ करती थी और अमेरिकी रणनीति भारत बनाम पाकिस्तान की तुलना से बनती थी। अब संयुक्त राज्य अमेरिका भारत को फिर से एशिया में सबसे महत्वपूर्ण देश चीन की शक्ति को संतुलित करने की दृष्टि से देख रहा है। यह भारत के लिए कोई छोटा लाभ नहीं है। बरसों पहले, मेरे एक जापानी मित्र ने मुझसे कहा था ÷तुम भारतीय हमेशा पाकिस्तान से लड़ते हो। यह छोटी बात है। अगर आपको लड़ना है, तो अमेरिकियों से लड़ें जैसा हमने किया था। और फिर, अपने खेल में उन्हें हराने के लिए फिर से उठें। ÷ जापान एक दशक से अधिक समय तक संयुक्त राज्य अमेरिका के संपूर्ण आर्थिक प्रवचन पर हावी रहा जब जापानी उत्पादकों द्वारा अमेरिकी कार कंपनियों को उनके घरेलू मैदान में बाहर किया जा रहा था।

इसके बाद, उच्च प्रौद्योगिकी के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स में जापानी अपने व्यापार अधिशेष को बढ़ाने के लिए अमेरिका के ऊपर बढ़त स्कोर कर रहे थे। यह याद रखना मुश्किल था कि पच्चीस साल पहले जापान अमेरिका के परमाणु बमों की चपेट में आ गया था। यह तब जापान था जिसने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की उच्च तालिका में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया था। इसने ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और जर्मनी को पीछे छोड़ दिया।

वास्तव में, भारत के प्रति चीन की अड़ियल दुश्मनी वैश्विक प्रवचन में भारत के वजन का प्रतिबिंब है। आज, चीन भारत के साथ दुर्गम लद्दाख क्षेत्र और उत्तरी सिक्किम में भूमि के छोटे स्लाइस के लिए लड़ रहा है। चीन निश्चित रूप से जानता है कि सामरिक दृष्टि से, यह हिमालयी इलाके में पर्याप्त जमीन हासिल करने के लिए कोई केकवाक नहीं होगा। यह संभवतः केवल पहला दौर है। इसकी अगली चाल हिंद महासागर में आएगी। चीन मुख्य भूमि से दूर अपनी शक्ति का अनुमान लगाने के लिए जहाजों के अपने फ्लोटिला का निर्माण कर रहा है। पाकिस्तान में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का व्यापक उद्देश्य अरब सागर तक अपनी महत्वपूर्ण सड़क सुविधा काराकोरम से पहुँचाना है। चीन इसी उद्देश्य से पाकिस्तान के ग्वादर में बंदरगाह का निर्माण कर रहा है। एक बार जब ग्वादर कार्यात्मक हो जाता है, चीन उस क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण नौसैनिक संसाधनों को तैनात करने की स्थिति में होगा और फिर अरब सागर तक पहुंच प्राप्त कर लेगा। भारत के व्यापार मार्ग और महत्वपूर्ण समुद्री लिंक जल के माध्यम से चलते हैं और इसलिए इस आसन्न खतरे को सामना करने के लिए क्षमता का निर्माण शुरू करना बहुत महत्वपूर्ण होगा।

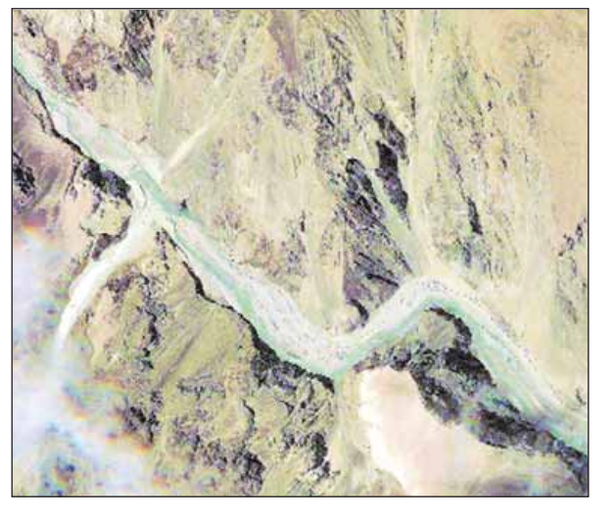

> अब तक, भारत चीन के खतरे को पूरा करने के लिए अपने रणनीतिक आंदोलनों में रूस से केवल जुबानी जमा खर्च की उम्मीद कर सकता है। पश्चिमी दुनिया के आम तौर पर रूस के प्रति रवैये और एक तानाशाही व्यवस्था के प्रति उसके स्वभाव के साथ रूस चीन के साथ मिलकर बना हुआ है। इस सप्ताह, रक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह ने रूस की विजय परेड में भाग लिया था, जिससे रूसी गर्व का अनुभव हुआ। उन्होंने तुरंत ही अच्छी संख्या में विमानों की आपूर्ति के वादे भी किए हैं और हार्डवेयर शेयरों के लिए पर्याप्त सैन्य पुर्जों की भी व्यवस्था की है जो पहले से ही भारतीय रक्षा सेवाओं के साथ हैं। ऐसी वस्तुओं को बेचना रूस के लिए महत्वपूर्ण होगा क्योंकि ये आदेश उस देश के बीमार रक्षा उत्पादन उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे। भारत का उपयोग रूसी रक्षा वस्तुओं और उनके संचालन के लिए किया गया है। इसलिए, इस बिंदु पर ऐसी पूरक सामग्री प्राप्त करना आवश्यक होगा।

ग्वादर बड़े महत्व का है क्योंकि यह अंततः उस देश के पश्चिमी हिस्सों में चीनी हिंडलैंड के साथ सड़क मार्ग से जुड़ेगा। इन हिस्सों में पहले से ही सैन्य ठिकाने हैं और ये तब आसानी से अरब सागर और अंततः हिंद महासागर में अपने आउटलेट से जुड़ सकते हैं। यह रूसी साम्राज्य के लिए काला सागर क्षेत्र में क्रीमिया की तरह है। उन्नीसवीं शताब्दी के ठीक बाद, क्रीमिया रूस के लिए बडे. महत्व का था और यूक्रेन के व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण को क्रीमिया के माध्यम से खुले पानी में रणनीतिक पहुंच प्राप्त करने के उद्देश्य से संचालित किया गया था।

अब तक, भारत चीन के खतरे को पूरा करने के लिए अपने रणनीतिक आंदोलनों में रूस से केवल जुबानी जमा खर्च की उम्मीद कर सकता है। पश्चिमी दुनिया के आम तौर पर रूस के प्रति रवैये और एक तानाशाही व्यवस्था के प्रति उसके स्वभाव के साथ रूस चीन के साथ मिलकर बना हुआ है। इस सप्ताह, रक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह ने रूस की विजय परेड में भाग लिया था, जिससे रूसी गर्व का अनुभव हुआ। उन्होंने तुरंत ही अच्छी संख्या में विमानों की आपूर्ति के वादे भी किए हैं और हार्डवेयर शेयरों के लिए पर्याप्त सैन्य पुर्जों की भी व्यवस्था की है जो पहले से ही भारतीय रक्षा सेवाओं के साथ हैं।

ऐसी वस्तुओं को बेचना रूस के लिए महत्वपूर्ण होगा क्योंकि ये आदेश उस देश के बीमार रक्षा उत्पादन उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे। भारत का उपयोग रूसी रक्षा वस्तुओं और उनके संचालन के लिए किया गया है। इसलिए, इस बिंदु पर ऐसी पूरक सामग्री प्राप्त करना आवश्यक होगा। हालांकि, भारत को अपने अंडे कई पेटियों में डालना शुरू करना चाहिए। सौभाग्य से, हमारे हितों को सुरक्षित रखने वाला ऐसे विकल्प पहले से कहीं अधिक है। कई अन्य देश चीन की घोर शत्रुता के कारण अब भारत के साथ सामरिक रूप से शामिल होने के लिए तैयार हैं। जापान चीनी खतरे से असुरक्षित महसूस कर रहा है। इसने चीन के साथ अपनी बेचैनी का तब खुला इजहार किया था जब उसने चीन के साथ आधार शिफ्टिंग के लिए अपनी कंपनियों के लिए 200 बिलियन डॉलर के कोष की घोषणा की थी। वर्तमान में, सेनकाकू द्वीप समूह पर चीन के साथ जापान का लंबे समय से विवाद चल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चीन और जापान के बीच सशस्त्र टकराव का अगला फ्लैश पॉइंट हो सकता है। सेनकाकू हिमालयी सीमाओं की तुलना में चीन के लिए और भी अधिक संवेदनशील है। वियतनाम से लेकर ब्रूनेई तक के अन्य लोगों के साथ-साथ जापान को दक्षिण चीन सागर पर भी खतरा है। और ये सभी संयुक्त राज्य अमेरिका के संरक्षण में हैं।

– (संवाद)

गूगल-एपल मिलकर तोड़ेंगे संक्रमण की चेन!

योगेश कुमार गोयल

> एपल तथा गूगल का कहना है कि प्राइवेसी और सरकार द्वारा लोगों के डाटा को इस्तेमाल करने से बचाना उनकी प्राथमिकता है। दरअसल यह सिस्टम ब्लूटूथ सिग्नल के जरिये ही काम करेगा और इसमें यूजर्स की निजता भंग होने से बचाने के लिए जीपीएस लोकेशन तथा उसके डाटा के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक रहेगी। हालांकि यह केवल एक प्लेटफॉर्म है, कोई एप नहीं और इसे दुनियाभर की स्वास्थ्य एजेंसियां अपने एप के साथ जोड़ सकती हैं। एपल के सीईओ टिम कुक के मुताबिक यह तकनीक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए कोरोना संक्रमितों की पहचान करने में मददगार साबित होगी।

पिछले कुछ महीनों से विभिन्न देशों द्वारा कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए अपने-अपने स्तर पर अलग-अलग तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। कई देशों ने लॉकडाउन को एक कारगर हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया तो कईयों ने इसके लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया है। संक्रमण की चेन तोड़ने के इन्हीं प्रयासों में ऐसी आधुनिक तकनीकों में विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा कुछ मोबाइल एप के जरिये करोड़ों लोगों की पल-पल ट्रैकिंग किया जाना भी शामिल है। विश्व बैंक की दक्षिण आर्थिक केन्द्रित रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि कोरोना के प्रसार की निगरानी के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है तथा बड़े पैमाने पर आबादी को शिक्षित करने और संक्रमण को ट्रेस करने में ये तकनीकें मददगार हो सकती हैं। भारत में कोरोना पर नियंत्रण पाने के लिए जहां 'आरोग्य सेतु एप' का इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं दुनिया के कई अन्य देश भी ऐसी ही अलग-अलग तकनीकों के सहारे कोरोना पर लगाम कसने के प्रयासों में जुटे हैं। सिंगापुर तथा ताइवान में सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल एप तथा क्यूआर स्कैन कोड के जरिये नए आगंतुकों की सतत निगरानी की जा रही है जबकि चीन के कई शहरों में हैल्थ कोड सिस्टम का प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें कलर कोड के माध्यम से कोरोना संक्रमण के खतरे के स्तर का पता लगाया जाता है।

कोरोना से जंग में संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए गूगल तथा एपल जैसी दुनिया की प्रख्यात टैक कम्पनियां भी मैदान में कूद चुकी हैं। दोनों कम्पनियों ने स्मार्टफोन के लिए एक ऐसा सॉफ्टवेयर बनाया है, जो कांटैक्ट ट्रेसिंग में मदद करने के साथ यूजर्स को सूचित भी करेगा कि वे कोविड-19 संक्रमित व्यक्तियों के सम्पर्क में आए हैं या नहीं। एपल तथा गूगल द्वारा मिलकर एक ऐसा विशेष प्लेटफॉर्म 'एक्सपोजर नोटिफिकेशन एपीआई कांटैक्ट ट्रेसिंग' भी लांच किया जा चुका है, जिससे कोरोना संक्रमितों का पता लगाना आसान हो जाएगा। यह प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों के सम्पर्क में आने वालों को चेतावनी भेजेगा। 22 देश तथा अमेरिका के कई राज्य इस प्लेटफॉर्म को इस्तेमाल करने की इजाजत मांग चुके हैं। किसी भी देश की सरकार ही अपनी एप को इस प्लेटफॉर्म से जोड़ सकती है और इसका इस्तेमाल सरकार तथा उसका स्वास्थ्य विभाग ही कर सकता है।

एपल तथा गूगल का कहना है कि प्राइवेसी और सरकार द्वारा लोगों के डाटा को इस्तेमाल करने से बचाना उनकी प्राथमिकता है। दरअसल यह सिस्टम ब्लूटूथ सिग्नल के जरिये ही काम करेगा और इसमें यूजर्स की निजता भंग होने से बचाने के लिए जीपीएस लोकेशन तथा उसके डाटा के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक रहेगी। हालांकि यह केवल एक प्लेटफॉर्म है, कोई एप नहीं और इसे दुनियाभर की स्वास्थ्य एजेंसियां अपने एप के साथ जोड़ सकती हैं। एपल के सीईओ टिम कुक के मुताबिक यह तकनीक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए कोरोना संक्रमितों की पहचान करने में मददगार साबित होगी। वैसे भारत के इलैक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सिंह का कहना है कि भारत का आरोग्य सेतु एप इससे कहीं ज्यादा समृद्ध है।

मैप्स की मदद से गूगल अब ऐसी व्यवस्था भी बना रहा है, जिससे यूजर्स जान सकेंगे कि किस सड़क पर अथवा बिल्डिंग में कितनी भीड़ है ताकि लोग वहां जाने को लेकर निर्णय कर सकें। सरकारें इसका उपयोग यह जानने में कर सकती हैं कि सोशल डिस्टेंसिंग का सही तरीके से पालन हो रहा है या नहीं। पहले से ही दुनियाभर में करोड़ों यूजर्स की गतिविधियों को ट्रैक करती रही गूगल, फेसबुक तथा ऐसी ही कुछ जानी-मानी कम्पनियों की मदद से अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी 'माई हैल्थ' नामक एक एप बना रहा है। इस एप की मदद से डब्ल्यूएचओ बताने में सक्षम हो सकेगा कि कहां-कहां बीमारियां फैल चुकी हैं और कहां फैलने वाली हैं। बहरहाल, दुनियाभर में लाखों लोगों की जान ले चुके कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया जा रहा है लेकिन कई स्थानों पर इसके लिए उपयोग रही एप के जरिये डाटा और निजता की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में तकनीक के सहारे कोरोना पर प्रहार करने के लिए विभिन्न एप का इस्तेमाल करते हुए डाटा और निजता की सुरक्षा को लेकर भी तमाम सरकारों द्वारा अपेक्षित कदम उठाए जाने चाहिएं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

अलविदा आम जामुन

अलविदा आम जामुन तुम आये जी ललचाये, बहुत ललचाये मन करे कि,जम के खाये मेरा दुर्ग-भिलाई सबको भाये ट्विन सिटी,शिक्षाधानी कहलाये जो भी यहाँ आये,लौट के न जाये बसते यही,यही के हो जाये रहते संग संग बनाते स्टील न कोई धर्म न कोई जात निभाये बस इस्पाती धर्म निभाये? – शत्रुंजय तिवारी

उन्हें अभिमान है

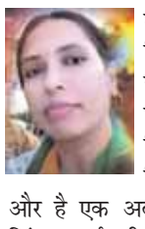

उन्हें अभिमान है कि वो आसमान हैं कि उनके पास है एक विस्तृत क्षेत्रफल जिसमें लम्बाई है और है एक अदद चौड़ाई भी किंतु गहराई की नितांत कमी है उनकी यही कमजोरी हमारी सबसे बड़ी ताकत है कि वो हमें डरा तो सकते हैं मगर किंचित् डुबा नही सकते जी हाँ! डुबा नही सकते। – ममता अमर

खास पाती | पास उसके न हौसला होगा

पास उसके न हौसला होगा इसलिए दूर भागता होगा क्यूँ चले आते हैं करीब ये ग़म कुछ तो आने का क़ाएदा होगा देखकर मुस्कराया है ग़र वो कुछ न कुछ उस से राब्ता होगा जी चुराओगे काम से जो अगर जीस्त में फिर न मोजज़ा होगा आग इक तरफ़ा तो नहीं है ये वो भी रातों में जागता होगा हार दिखने लगी है अब तो उसे राह बचने की ढूंढता होगा उस गली जाना ही नहीं, वरना फिर खड़ा कोई मसअला होगा।

– सुरेश पंसारी

ऐसे ऐसे सीरियल दिखा रहे

ऐसे ऐसे सीरियल , दिखा रहे हैं रोज । मोरल वोरल कुछ नहीं , षड़यंत्रों की डोज ।। सास बहू की जंग की , ऐसी चलती रेल । संस्कार सब हवा हुए , खेले घटिया खेल ।। पौराणिक तो नाम है , रोज लगाते वाट । दिखे नहीं इतिहास की , दूर दूर तक खाट ।। ऐसी तैसी कर रहे , नैतिकता की आज । रोज रोज हम देखते , हुई कोढ़ में खाज।

– नवीन गौतम

अब्र तेरी जुल्फों से घबराता है

अब्र तेरी जुल्फ़ों से घबराता है, चांद तुझको देख कर छिप जाता है। बारिशों का कारवां तेरा गुलाम, बादलों को बेवजह भटकाता है। इश्क़ में खुद्दारी अब दिखती नहीं, हुस्न के आगे सदा बिछ जाता है। दर्दो- ग़म आंसू सुकूं देते हैं अब, तन्हा रहना ही मुझे भाता है। जब से दरवेशी मैंने अपना ली है, दर्दे-दौलत अब कहां तड़फ़ता है।

– डॉ संजय दानी

विपदा से ग्रस्त देश धरें कर्म

विपदा से ग्रस्त देश,धरें कर्म योगी वेश देश हित सोच मनु, धरम निभाइए। स्वच्छ रखें कर घर, करोना पे हो नज़र दूर से नमन करें, हाथ ना मिलाइए। राजशी है आव्हान मिल करें अनुष्ठान रोग विष धर इसे, मार के भगाइए। जीतनी हमें है जंग, बनिए न जयचंद नाहक विरोध कर, गाल ना बजाइए।

– सतीश मैथिल तनुज

वक़्त वक़्त की बात है सरकार

वक़्त वक़्त की बात है सरकार गिराने की हिम्मत रखने वाला प्याज कभी खुद ही गिर जाता है 100 रुपये किलो बिकने वाला प्याज आज 100 रुपये में 6 किलो मिल रहा बस ऐसे ही है इस दुनियां में कब किसकी कीमत चढ़ जाए कब किसकी कीमत गिर जाए।

– सुनिता बिंदल

मनुष्य अकेला जीवन व्यतीत नहीं

मनुष्य अकेला जीवन व्यतीत नहीं कर सकता, उसे हर हाल में समाज की जरूरत होती है; इसलिए जीवन-पथ पर उसे लोगो के सहयोग लेने और देने की आवश्यकता पड़ती है। सिर्फ स्वार्थी प्रवृति के लोग केवल अपने हित की चिंता करते हैं।

– कुसुम शुक्ला

इस साल.हर कोई अपने आप

इस साल.हर कोई अपने आप में एक युद्ध लड़ रहा है नकारात्मकता और सकारात्मकता के बीच और जब भगवान जी परीक्षा इतनी कठिन होनी है तो सिलेबस तो भेज ही दो बाकि पेपर तो आप अपनी मर्जी से तैयार किये हो। – मीना सोनी

QUIZ TIME

1) दलित साहित्य में 'जूठन' आत्मकथा के लेखक कौन है?
(क) मोहनदास नैमिशराय (ख) ओमप्रकाश वाल्मीकि (ग) तुलसीदास (घ) दयापवार

2) प्रथम विश्व युद्ध का तत्कालिक कारण था-

3) निम्नलिखित में से ओम चालक कौन-सा है? (सिल्वर / सिलिकॉन)

4) ट्रैविस कलानिक एवं गैरेट कैप 2009 में किस कंपनी की स्थापना की?

5) भारतीय शास्त्रीय गायक का नाम बताइए जिनका संबंध उत्तरप्रदेश से है?

Ramaquiz

उत्तरमाला– (1) ओमप्रकाश वाल्मीकि (2) पूर्वनियत की सामाजिकी में हुआ (3) सिल्वर (4) उत्तर फैक्ट (5) पंडित छन्नूलाल मिश्रा

आज का इतिहास

नई दिल्ली ।1693 - लंदन में पहली महिला पत्रिका 'लेडीज मरकरी' का प्रकाशन। 1759 - ब्रिटेन के सेना अधिकारी जनरल जेम्स वोल्फ ने क्यूबेक पर कब्जा करने के अभियान की शुरुआत की। 1867 - बैंक ऑफ कैलिफॉर्निया का संचालन शुरू। 1893 - पंजाब के महाराज रंजीत सिंह का निधन। 1914 - अमेरिका ने इथियोपिया के साथ वाणिज्य संधि पर हस्ताक्षर किये। 1939 - प्रसिद्ध संगीतकार एवं अभिनेता राहुल देव बर्मन का जन्म। 1940 - सोवियत सेना ने रोमानिया पर हमला किया। 1957 - अमेरिका के लुसियाना और टेक्सास में आंद्रे तूफान से 526 लोगों की मौत। 1964 - तीन मूर्ति भवन को नेहरू संग्रहालय बनाया गया। 1967 - लंदन के एनफील्ड में विश्व का पहला एटीएम स्थापित किया गया।

न्यूज गैलरी

छात्रावास से अंधेरे में चोरी छुपे चौकीदार अपने घरों को ले जा रहे शासकीय सामग्री

तेन्दूखेड़ा! छात्रावास से अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी छुपे शासकीय सामग्रियों की चोरी की जा रही है जिसकी जानकारी रात्रि के समय में हमारे संवाददाता को लगी जिसके बाद पूरे मामले की जानकारी ली तो पता चला कि आदिजाति छात्रावास का चौकीदार छात्रावास से ही अपने पलंग कि चोरी करके अपने घर ले जा रहा था हमारे संवाददाता ने चौकीदार से जब बात की तो उन्होंने बताया कि टूटा हुआ है और बारिश का समय आ गया है जिसके चलते घर ले जा रहे हैं चौकीदार द्वारा पलंग की चोरी के संबंध में जब छात्रावास अधीक्षक संतोष नेमा से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने अपना फोन रिसीव नहीं किया जिसके चलते पलंग चोरी के संबंध में बात नहीं हो पाई यह मामला दमोह जिले के तेन्दूखे?ा ब्लॉक का है वहीं दूसरी ओर ऊपर से साफ साफ आदेश है कि चौकीदार जहां पर है वही पर रात को रोके लेकिन ऐसा नहीं है कोई भी चौकीदार नहीं रोकता

डीएवीवी सीईटी पर गहराया संशय, प्रवेश परीक्षा रद करने का उठा मुद्दा

इंदौर । यूजी और पीजी कोर्स की परीक्षाओं में जनरल प्रमोशन किए जाने का रास्ता साफ होने के बाद अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा सीईटी पर संशय बन गया है। कोरोना संक्रमण के डर से कांग्रेसियों ने गुरुवार को परीक्षा रद करने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कुलपति के सामने सीईटी की कमेटी को भंग करने की मांग की। जल्द ही विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले के लिए बैठक बुला सकता है। गुरुवार को कांग्रेस नेता जयप्रकाश राणे ने कुलपति डॉ. रेणु जैन को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस का कहना है कि ऑल इंडिया स्तर पर होने वाली सीईटी 22 शहरों में आयोजित होती है। संक्रमण काल में परीक्षा करवाने से कई विद्यार्थियों के संक्रमित होने का खतरा रहेगा। कुलपति डॉ. रेणु जैन का कहना है कि सीईटी पर जल्द ही बैठक बुलाकर फैसला लिया जाएगा। जनरल प्रमोशन दिए जाने के बाद अब उच्च शिक्षा विभाग और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय दाखिले पर जोर दे रहे है। एमपी बोर्ड की 12वीं की परीक्षा हो चुकी है। .

आखिर कौन रोक पाएगा इस हरे भरे अभ्यारण्य के जंगल को कटने से- रेंजर की मिलीभगत से चल रहा यह सब खेल

नौरादेही अभ्यारण्य में वृक्षों की हो रही अंधाधुंध अवैध कटाई

विशाल रजक

तेन्दूखेड़ा/दमोह! नौरादेही अभ्यारण्य के अंतर्गत आने वाले सर्रा वनपरिक्षेत्र में अवैध कटाई का सिलसिला जोरों पर चल रहा है साथ ही सर्रा रेंज में पदस्थ रेंजर तिलक सींग राजपुरिया की मनमानी और दबगाईय जहां आए दिन इनके मामले आते रहते हैं जिसके चलते रेंजर साहब सुर्खियों में बनने रहते है जहां नौरादेही अभ्यारण्य में प्रतिदिन हरे भरे वृक्षों पर बेतहाशा आरी और कुल्हाड़ी चल रही है और यह सारा खेल वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की और वनमाफियाओं की आपसी सांठगांठ से दिन दूनी रात चौगुनी गति से फलफूल रहा है वनों और वन्यजीवों के लिए सुरक्षित क्षेत्र प्रदेश के सबसे बड़े नौरादेही वन्य अभ्यारण्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र सर्रा में इन दिनों अवैध कटाई का सिलसिला जोरों पर है जिसकी वजह से पेड़ों और वन्यजीवों का अस्तित्व खतरे में दिखाई दे रहा है एक और जहां नौरादेही अभ्यारण्य में बाघ बाघिन और उसके तीन शवक है फिर भी जंगल कटने से रोकने का नाम ही नाम ले रहा है नौरादेही अभ्यारण्य के वन विभाग के कर्मचारी अपने आफिसों एवं सरकारी बंगलों में बैठ कर नौरादेही अभ्यारण्य को बचाने की कोशिश कर रहे हैं वहीं जंगलों मे इन वीटों में पदस्थ रक्षकों की अन देखी से वनों की अवैध कटाई का सिलसिला लगातार जोरों पर जारी है जिस और वन विभाग के आला अधिकारियों का ध्यान नहीं है हमारा प्रदेश हरा भरा मध्यप्रदेश कहने व सुनने में केवल नारों के माध्यम से अच्छा लगता है लेकिन वास्तव जमीनी स्तर पर देखा जाए तो आज जहां पर्यावरण को बचाने के प्रयास में सरकार वन रक्षकों को लाखों रुपए मासिक वेतन के रूप में दे रही है उसके बाद भी कई वन रक्षक ही जंगलों के लिए वन भक्षक बने हुए हैं अपनी जेब गर्म करने के लिए अपनी आखों के सामने ही जंगल में लगे हरे भरे सागौन के वृक्षों को कटवाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं नौरादेही अभ्यारण्य को विकसित करने के लिए जहां एक और पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है जिसके कुछ उदाहरण जैसे टाइगर प्रोजेक्ट ड्रोन कैमरों द्वारा पूरे अभ्यारण्य की निगरानी और दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के चीतों को नौरादेही में बसाने की योजनाओं पर काम चल रहा है और जिसका प्रथम चरण बाघ बाघिन जोड़े राधा व किशन को बसाकर विभाग को तीन शावों के रूप में बाघिन राधा द्वारा जन्म देकर एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की जा चुकी है सबसे बड़ी बात तो यह है कि नौरादेही अभ्यारण्य के अंतर्गत आने वाले सर्रा वनपरिक्षेत्र में विभाग की इन योजनाओं पर पानी फेरा जा रहा है नौरादेही के सर्रा रेंज में आने वाली सारसबगली झमरा तारादेही दुधिया और महगवां बीटों में इन दिनों वनमाफियाओं द्वारा हरे भरे बेशकीमती सागौन के वृक्षों की बेतहाशा बलि चढ़ा कर खुलेआम अवैध कटाई की जा रही है ।

पूर्व मंत्री मलैया के बेटे बोले-अधूरी सरकार में रामबाई के बढ़े हौसले

दमोह-सिद्धार्थ के आव्हान पर आज हटा में प्रदर्शन

नव प्रदेश संवाददाता

दमोह। पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया के बेटे सिद्धार्थ मलैया ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाया हुए कहा कि इस आधी -अधूरी सरकार मे बसपा की विधायक रामबाई जैसी नेताओं के हौसले बढ़ गए हैं इसका असर आम जनता ओर अफसरों पड़ रहा है गुरुवार को दमोह में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने दमोह जेल प्रशासन पर कई तरह के आरोप लगाए सिद्धार्थ ने दमोह जेल प्रशासन पर शराब और शबाव की व्यवस्था कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह जेल में कैदियों से मिलने के लिए आने वालों के साथ जेलर का बेटा पैसा वसूलता है इतना ही नहीं कैदियों को पैसों के लिए बेहरमी से मारा पीटा जाता है जिसकी सुनवाई नहीं हो रही है उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वह अधूरी सरकार ऐसे ही होती है इसलिए जनता को याद करना पड़ेगा भाजपा नेता मलैया के बेटे सिद्धार्थ ने कहा कि जेल में स्थिति खराब है इसलिए उन्होंने ये बातें कहीं है ऐसा कहते हुए वे मीडिया के सामने रो पड़े

कांग्रेस नेता चौरसिया पर सड़क पर उतरे लोग

भाजपा के वरिष्ठ नेता जयंत मलैया के बेटे सिद्धार्थ ने आज कांग्रेस नेता देवेंद्र चौरसिया हत्याकांड के मामले में हटा में सैकड़ों लोगों के साथ प्रदर्शन किया आरोप है कि हटा मे देवेंद्र के बेटे को प्रताड़ित किया जा रहा है इस मामले में बसपा विधायक रामबाई के परिजन भी आरोपी बनाए गए थे पहले कांग्रेस की सरकार में चौरसिया परिवार की सुनवाई नहीं हुई और अब भाजपा सरकार में भी यही स्थिति है एमएलए रामबाई अपने हिसाब से अफसरों की पोस्टिंग करा रही है सिद्धार्थ ने कहा कि जेल में स्थिति खराब है इसलिए उन्होंने ये बातें कहीं है और आज वो हटा में व्यवस्थाओं का विरोध करने के लिए आहवान भी इसी के मद्देनजर किया गया है । दमोह में इन दिनों भाजपा नेता और पूर्व मंत्री जयंत मलैया और बसपा विधायक रामबाई के बीच राजनितिक रसूख की जंग में जिला प्रशासन के अधिकारी परेशान हैं कांग्रेस शासन में पावरफुल बनी पथरिया से बसपा विधायक रामबाई ने बीजेपी सरकार में भी अपना पावर बनाए रखा है ।

मजदूर अब घर पर नहीं बैठेंगे

कोरोनाकाल में घर नहीं बैठेंगे मजदूर, मनरेगा से काम देगा रेलवे

नव प्रदेश संवाददाता

जबलपुर। लॉकडाउन में शहर से काम छोड़कर अपने गांव आए मजदूरों को अब काम मिलने में परेशानी नहीं होगी। मजदूर अब घर पर नहीं बैठेंगे। रेलवे ने निर्णय लिया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना(मनरेगा) के तहत वह इन मजदूरों को काम देगा। रेलवे ने इसकी शुरुआत भी कर दी है। रेलवे इनसे ग्रामीण और शहर के रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य से लेकर लेवल क्रॉसिंग, पटरियों के आस-पास की सफाई, मिटी-गिट्टी की भराई, सफाई और पौधारोपण जैसे काम कराएगा। वर्तमान में रेलवे को भी अपनी अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मजदूरों की समस्या आ रही है। इसलिए अब मनरेगा के तहत वह इस समस्या को दूर कर सकेगा।

राज्य और जिला प्रशासन को दी जानकारी

पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर, भोपाल और कोटा रेल मंडल की सीमा में चल रही परियोजनाओं और अन्य कामों की जानकारी राज्य और जिला प्रशासन को सौंप दी है। अब प्रशासन इन परियोजनाओं के कार्य स्थल के आस-पास रहने वाले मजदूरों से जानकारी एकत्रित रेलवे की दी जाएगी।

इस तरह काम लिया जाएगा

रेलवे ने यह स्पष्ट किया है कि ट्रेन, पटरी, स्टेशन के संरक्षा से जुड़े सभी कामों को वह अपने अनुभवी कर्मचारी और मशीनों के माध्यम से ही पूरा कराएगा। लेकिन इन कामों से जुड़े अन्य छोटे-छोटे कामों को वह मनरेगा के जरिए मजदूरों से भी करा सकता है। दरअसल रेलवे की प्राथमिकता में संरक्षा सबसे महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे अब तक वह अपने रनिंग स्टॉफ से ही कराता है। इसके साथ रेलवे के पास संरक्षा के कामों के लिए आधुनिक मशीनें भी मौजूद हैं।

जबलपुर में बारिश से घुली ठंडक, गर्मी से मिली राहत

नव प्रदेश संवाददाता

जबलपुर । शहर में शुक्रवार सुबह बारिश की रिमझिम फुहारों ने मौसम में ठंडक घोल दी। जिससे शहरवासियों को गर्मी से राहत मिली। जबलपुर शहर में पिछले दिनों से बारिश नहीं होने से तापमान बढ़ने लगा था, दिन के तापमान में 3 डिग्री बढ़ोतरी हो गई थी। मौसम विभाग के अनुसार शहर आसमान में हल्के स्थानीय बादल बने हुए हैं, लेकिन जिस कम दबाव के क्षेत्र के कारण तेज बारिश होती है वह हरियाणा और पंजाब की ओर बढ़ रहा है। इसलिए शहर में बादल छट गए हैं और मानसून कमजोर पड़ रहा है।

दिन और रात का तापमान बढ़ा

गुरुवार को दिन भर मौसम शुष्क रहा और तापमान में बढ़ोत्तरी हुई। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा जबकि न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 2 डिग्री अधिक मापा गया। बीते वर्ष इस दिन अधिकतम तापमान 38.8 तो न्यूनतम 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। गुरुवार को शहर में हवा उत्तर-पश्चिमी दिशा की ओर से चली जिसकी औसत रफ्तार 5 किलोमीटर प्रतिघंटे दर्ज की गई।

राजस्थान से छत्तीसगढ़ तक बनी है द्रोणिका

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान कार्यालय अनुसार मध्य प्रदेश में पूरी तरह मानसून ने अपनी पहुंच बना ली है, लेकिन जबलपुर सहित महाकोशल के क्षेत्र में मानसूनी बादल कुछ कमजोर हुए हैं। मौजूदा समय में दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून उत्तर भारत की ओर तेजी से ब? रहा है। वहीं राजस्थान से लेकर बिहार होते हुए छत्तीसग? तक द्रोणिका बनी हुई है जिससे बारिश की संभावना भी बनी हुई है।

कोख में टूट रही सांस, 14 माह में 236 शिशु नहीं देख पाए दुनिया

नव प्रदेश संवाददाता

जबलपुर। । कोख में पल रहे कई बच्चे दुनिया देखने से पहले मौत के मुंह में समा रहे हैं। हालात यह हैं कि अकेले एल्गिन अस्पताल में 14 माह के भीतर 236 ऐसे बच्चों का जन्म हुआ जो दुनिया नहीं देख पाए। गर्भ में बच्चों की मौत के पीछे चिकित्सक कई कारण बताते हैं। कई मर्तबा गर्भ में शिशु की मौत प्रसूता के लिए भी जानलेवा बन जाती है। बच्चों की असमय मौत संस्थागत प्रसव को बड़ावा देने वाली योजनाओं पर सवाल खड़े करती है। खास बात यह है कि गर्भ में बच्चों को खो देने में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी का शिकार महिलाओं की संख्या ज्यादा रही। इन 236 बच्चों में 180 ऐसे रहे जिनकी गर्भ में मौत हो चुकी थी तथा 56 प्रसव संबंधी जटिलताओं का शिकार हुए। चिकित्सकों का कहना है कि गर्भस्थ शिशु की मौत हवा में घुलते प्रदूषण के जहर के कारण भी हो रही है। प्रदूषण की वजह से गर्भस्थ शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। इसका दूसरा सबसे बड़ा कारण गर्भवती मां में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की बीमारी, पोषण आहार की कमी के रूप में सामने आया है। एल्गिन अस्पताल में अप्रैल 2019 से मई 2020 तक 14 माह में गर्भस्थ शिशुओं की मौत के लिए मां में पोषण आहार की कमी, बीमारी व प्रदूषण को मुख्य वजह माना जा रहा है। उक्त अवधि में गर्भस्थ शिशुओं की मौत के साथ ही 5 प्रसूताओं की भी प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण असमय मौत हुई। कुछ माह पूर्व एक प्रसूता की मौत को लेकर एल्गिन अस्पताल के चिकित्सकों व कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई थी, जिसे लेकर स्वास्थ्य आयुक्त ने नाराजगी जाहिर की थी। एल्गिन अस्पताल के आरएमओ डॉ. संजय मिश्रा का कहना है कि प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्त्राव, खून की कमी व ब्लडप्रेशर ब<ने से झटके आने का खतरा रहता है। यह स्थिति प्रसूता के लिए जानलेवा हो सकती है।

बैठक | 25 जून से 15 अक्टूबर तक आयोजित होगी खेत, पाठशालाएं

किसान खेत, पाठशाला के लिए दल गठित करें- कलेक्टर

नव प्रदेश संवाददाता

राजगढ़। 25 जून से 15 अक्टूबर 2020 तक आयोजित होने वाली किसान पाठशाला के संबंध में बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में उप संचालक कृषि द्वारा कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आयोजन के लिए पूरे जिले के लिए प्रथक प्रथक दल बनाएं जाए। बैठक में शासन के निर्देशों की जानकारी दी गई जिसके मुताबिक सर्व प्रथम जिले में पदस्थ कृषि एवं किसानों से संबंधित विभागों के मैदानी अमले वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी, ग्रा.कृ.वि. अधिकारी, ग्रा. उद्यान, विस्तार अधिकारी, पशुक्षेत्र, सहायक बी.टी.एम.ए.टी.एम. सहकारी समिति प्रबंधक आदि के मध्य जिले में कार्य विभाजन इस प्रकार से करे कि सम्पूर्ण क्षेत्र आच्छादित हो। मैदानी अमले के कार्य विभाजन पश्चात कृषि एवं किसानों से संबंधित विभागों का परिवेक्षिय अमले का कार्य विभाजन इस प्रकार हो कि जिले के मैदानी अमले के कार्य का परीक्षण एवं मानिटरिंग के लिये पर्यवेक्षण सम्पूर्ण क्षेत्र में सुगम हो। यह भी सुनिष्चित कर लिया जाए कि कृषि से संबंधित विभागों का कोई भी मैदानी अमला जिला स्तरीय अथवा विकासखण्ड स्तरीय कार्यालय से पूर्ण कालिक संबंध न रखता हो। यदि किसी अमले की आवष्यकता है भी तो संबंधित मुख्यालय के समीपपस्थ अमले को अपने प्रभार के साथ कार्यालय के कार्य का अतिरिक्त प्रभार दिया जाए। किसी भी स्थिति में मुख्यालय से दूरस्थ कार्यालय का प्रभार न दिया जाए क्योकि ऐसा करने से क्षेत्रीय कार्य प्रभावित होता है। मैदानी अमले के मध्य कार्य विभाजन के पश्चात प्रत्येक मैदानी अमले को उसे आबांटित कार्य क्षेत्र में 25 जून 2020 से 15 अक्टूबर 2020 तक की अवधि में चरणवार चार चरणों में खेत किसान पाठशालाऐं आयोजित करने का तिथीवार कार्यक्रम तैयार कर लिये जाए जिला स्तरीय कृषि एवं संबंधित विभाग की संयुक्त बैठक भी आयोजित कर ले ताकि उन्हे इस अवधारणा की स्पष्टता हो जाए। 25 जून 2020 से 15 अक्टूबर 2020 के मध्य प्रत्येक ग्राम पंचायत/ग्राम स्तर पर चार चरणों पर आयोजित होने वाली किसान खेत पाठशालाऐं में निम्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। प्रथम चरण किसान खेत पाठशाला आयोजन की अवधि 25 जून 2020 से 25 जूलाई 2020 के मध्य इस प्रथम चरण में ग्राम स्तर पर होने वाली पाठशाला में बोआई., रोपाई की उन्नत विधि, उन्नत किस्मों का चयन, बीजोपचार, कल्वर उपयोग बीजो के उन्नत किस्मों का उपयोग, उर्वरको का संतुलित उपयोग, जैविक खाद के उपयोग, फसल विविधीकरण की उपयोगिता, फसल बीमा एवं मृदा स्वास्थ्य परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग पर चर्चा की जाएगी। द्वितीय चरण किसान खेत पाठशाला का आयोजन की अवधि 27 जुलाई 2020 से 22 अगस्त 2020 के मध्य इस पाठशाला के आयोजन के द्वितीय चरण में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर के पाठशाला में निदाई, गुडाई, खरपतवार, प्रबंधन, सिंचाई, टापड्रेसिंग, पौधा, संरक्षण, मृदा, स्वास्थ्य, परीक्षण के आधार पर उर्वरक उपयोग आदि विषयों पर किसानों से चर्चा की जाएगी। तृतीय चरण किसान खेत पाठशाला का आयोजन की अवधि 24 अगस्त 2020 से 20 सितम्बर 2020 के मध्य तृतीय चरण किसान खेत पाठशाला के आयोजन की अवधि में पुष्पन अवस्था में सिचाई, खाद प्रबंधन, फसल, कीट नियंत्रण, एवं फसल संरक्षण, मृदा, स्वास्थ्य नियमों पर चर्चा की जाए। चतुर्थ चरण किसान खेत पाठशाला का आयोजन की अवधि 25 सितम्बर 2020 से 15 अक्टूबर 2020 के मध्य इस चतुर्थ चरण किसान खेत पाठशालाओं में उचित समय में फसल कटाई, गहाई, भण्डारण, समर्थन मूल्य पर पंजीयन, मूल्य संवर्धन, मण्डी में बिक्री आदि विषयों पर जानकारी दी जाएगी।

बड़वानी में आठ और धार में चार नए कोरोना मरीज मिले

नव प्रदेश संवाददाता

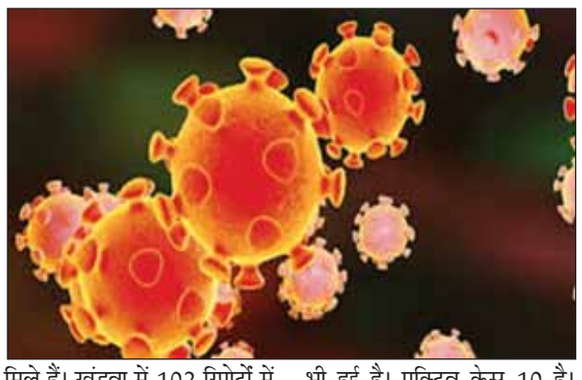

मालवा-निमाड़। अंचल के कुछ जिलों में अनलॉक के दौरान कोरोना संक्रमितों की संख्या बड़ रही है। बड़वानी जिले में शुक्रवार को आई रिपोर्ट में आठ पॉजिटिव मिले। धार जिले में चार, खंडवा और मंदसौर में तीन-तीन केस सामने आए। बड़वानी में नए मरीजों में चार राजपुर, तीन बड़वानी व एक दवाना का है। जिले में संक्रमितों की संख्या 105 हो चुकी है। 74 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। एक्टिव मरीज 28 हैं। तीन की मौत भी हुई है। बता दें कि लॉकडाउन के 65 दिनों में जिले में 53 और अनलॉक के 26 दिनों में 52 संक्रमित पाए गए हैं।

धार के गांव बिलोदा में एक और शहर में तीन मरीज मिले हैं। संक्रमितों की संख्या 170 हो गई है। अब तक 132 मरीज स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। छह मरीजों की मौत भी हुई है। एक्टिव केस 32 हैं। चार दिनों में 17 संक्रमित मिले हैं। खंडवा में 102 रिपोर्टों में 99 निगेटिव और तीन पॉजिटिव आई। ये मरीज शहर के बापू नगर, सिंघाड़ तलाई, छोटा आवार क्षेत्र के निवासी हैं। जिले में अब तक 301 मरीज मिले हैं। इनमें से 263 स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। 17 की मौत भी हुई है। एक्टिव केस 21 हैं। मंदसौर जिले में तीन नए पॉजिटिव मिले। इनमें 75 वर्षीय महिला राम मोहल्ला और एक-एक मरीज खिलचीपुरा व खानपुरा के हैं। जिले में अब 109 संक्रमित हो गए हैं। इनमें 90 ठीक होकर घर जा चुके हैं। नौ की मौत भी हुई है। एक्टिव केस 10 है। शाजापुर के विजय नगर निवासी 50 वर्षीय मरीज में कोरोना की पुष्टि हुई है। जिले में अब तक 56 केस सामने आ चुके हैं। इनमें से 44 स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। 9 मरीज सक्रिय हैं और तीन की मौत हो चुकी है।

रतलाम के शासकीय मेडिकल कॉलेज से दो और मरीज स्वस्थ होकर घर गए। जिले में अब तक 144 पॉजिटिव मिले हैं। इनमें से 127 मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। छह की मौत हो चुकी है। एक्टिव केस 11 हैं

सुशांत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा का प्रमोशन करेंगे राजकुमार

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, सुशांत सिंह राजपूत की अंतिम फिल्म दिल बेचारा का प्रमोशन करने जा रहे हैं।

सुशांत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' को 24 जुलाई ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज की जा रही है। राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर फिल्म के पोस्टर को शेयर किया। सुशांत की डेब्यू फिल्म 'काय पो छे' और बाद में 'राब्ता' में उनके सह-कलाकार रह चुके राजकुमार ने पोस्टर को एक रेड हार्ट ईमोजी के साथ साझा किया। सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन पर दुख जताते हुए राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर लिखा था, आपकी याद आएगी भाई। इस बीच, सोशल मीडिया पर लोग फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किए जाने के फैसले से काफी नाखुश दिखे और उन्होंने कुछ समय तक के लिए ही सही, लेकिन फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किए जाने की मांग की है।

मुलायम सिंह यादव की बायोपिक का पोस्टर रिलीज

मुंबई । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बायोपिक का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। बॉलीवुड में राजनेताओं पर आधारित बायोपिक फिल्मों का चलन जोरो पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिव सेना सुप्रीमो बाला साहब ठाकरे और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बाद अब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बायोपिक बनायी जा रही है। फ़िल्म का शीर्षक है ÷मैं मुलायम सिंह यादव।

चुरा लिया है तुमने जो दिल को

मुंबई । बॉलीवुड में अपनी मधुर संगीत लहरियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाले महान संगीतकार आर.डी.बर्मन आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन फिज़ां के कण..कण में उनकी आवाज गूंजती हुयी महसूस होती है जिसे सुनकर श्रोताओं के दिल से बस एक ही आवाज निकलती है..चुरा लिया है तुमने जो दिल को..।

आर.डी बर्मन का जन्म 27 जून 1939 को कलकत्ता में हुआ था। उनके पिता एस.डी.बर्मन जाने माने फिल्मी संगीतकार थे। घर में फिल्मी माहौल के कारण उनका भी रूझान संगीत की ओर हो गया और वह अपने पिता से संगीत की शिक्षा लेने लगे। उन्होंने उस्ताद अली अकबर खान से सरोद वादन की शिक्षा ली। फिल्म जगत में..पंचम.. के नाम से मशहूर आर.डी.बर्मन को यह नाम तब मिला जब उन्होंने अभिनेता अशोक कुमार को संगीत के पांच सुर सा.रे.गा.मा.पा गाकर सुनायी। नौ वर्ष की छोटी सी उम्र में पंचम दा ने अपनी पहली धुन ..ए मेरी टोपी पलट के आ.. बनायी और बाद में उनके पिता सचिन देव बर्मन ने उसका इस्तेमाल वर्ष 1956 में प्रदर्शित फिल्म ..फंटूश ..में किया। इसके अलावा उनकी बनायी धुन ..सर जो तेरा चकराये.. भी गुरूदत्त की फिल्म ..प्यासा.. के लिये इस्तेमाल की गयी। अपने सिने कैरियर की शुरूआत आर.डी.बर्मन ने अपने पिता के साथ बतौर संगीतकार सहायक के रूप में की। इन फिल्मों में ..चलती का नाम गाड़ी ..1958 और कागज के फूल.. 1959 जैसी सुपरहिट फिल्में भी शामिल है। बतौर संगीतकार उन्होंने अपने सिने कैरियर की शुरूआत वर्ष 1961 में महमूद की निर्मित फिल्म ..छोटे नवाब.. से की लेकिन इस फिल्म के जरिये वह कुछ खास पहचान नहीं बना पाये ।

बॉलीवुड में आप टैलेंटेड हैं तो भी पीछे हैं :मनोज वाजपेयी

मुंबई । जाने-माने अभिनेता मनोज वाजपेयी ने फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म (भाई-भतीजवाद) को लेकर कहा कि बॉलीवुड में आप टैलेंटेड हैं तो भी पीछे हैं।

बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर चल रही बहस पर मनोज वाजपेयी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मनोज वाजपेयी ने कहा ,÷दुनिया निष्पक्ष नहीं है, यह बात 20 साल से कह रहा हूं, हमारी इंडस्ट्री में टैलेंटेड एक्टर है लेकिन उन्हें सही जगह नहीं मिल पा रही है, यहां आप टैलेंटेड हैं तो भी आप पीछे हैं, क्योंकि आपको लोग भगाने और नजरअंदाज करने की कोशिश करेंगे। मनोज वाजपेयी ने कहा ,÷हमारे विचारों और मूल्यों में कहीं ना कहीं कमी है, जब हम प्रतिभा देखते हैं तो उसे हम अनदेखा करना चाहते हैं, या फिर उसे दूर कर देते हैं, यह हमारे मूल्य हैं जो बेहद खोखले हैं । अगर आपमें टैलेंट नहीं है और आपको यह जगह मिल गई है तो आप अपने आप को खुशनसीब समझिए। क्योंकि अपने सिद्धांतों को लेकर यह इंडस्ट्री काफी पीछे है। इंजीनियर की परीक्षा में तो विद्यार्थी अपने हुनर से अव्वल आ जाते हैं, लेकिन बॉलीवुड इंडस्ट्री में अगर आप टैलेंटेड है तो भी पीछे हैं।

सुशांत जैसे इंटेलिजेंट नहीं हैं मनोज वाजपेयी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी का कहना है कि वह सुशांत सिंह राजपूत जितने इंटेलिजेंट नहीं है।

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद मनोज वाजपेयी उन्हें याद कर रहे हैं। मनोज वाजपेयी का मानना है कि वह सुशांत जैसे इंटेलिजेंट नहीं हैं, न ही उनकी उम्र तक वह उतना अचीव कर पाए थे जितना सुशांत ने कर लिया था।मनोज बाजपेयी ने सुशांत के साथ फिल्म 'सोनचिड़िया' में काम किया था। मनोज वाजपेयी ,शेखर कपूर के साथ इंस्टा लाइव पर सुशांत को याद कर चुके हैं। अब उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान सुशांत के बारे में कुछ बातें कहीं।

मनोज बाजपेयी ने कहा, ÷हम सभी के पास उतार-चढ़ाव और इमोशंस होते हैं। सुशांत भी अलग नहीं थे। मुझे नहीं लगता कि मैं इतना टैलंटेड हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं उतना इंटेलिजेंट हूं जितने वो हुआ करते थे। मुझे नहीं लगता कि 34 साल की उम्र तक मैंने वो सब अचीव कर पाया था जो उन्होंने कर लिया था। मुझे लगता है कि मेरे अचीवमेंट्स बहुत ही छोटे हैं। मैं उन्हें इसी तरह से याद करता हूं। मनोज वाजपेयी ने कहा, मैं उन्हें सिर्फ एक अच्छे इंसान के रूप में ही नहीं बल्कि ऐसे इंसान के रूप में जानता हूं, जो पटना से था। जो इतना अच्छा डांस करने, कूल होने और प्यारी मुस्कुराहट होने के बाद भी जड़ों से जुड़ा था। अंदर से वह छोटे कस्बे के बंदे थे। उनके अंदर छोटे शहर पटना का लड़का छिपा था। जिससे मैं बहुत रिलेट करता था।

भारत मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करे: आईसीसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) में जांच समन्वयक स्टीव रिचर्डसन का मानना है कि भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करना खेलों की दृष्टि से एक प्रभावशाली कदम साबित हो सकता है जिससे क्रिकेट जगत में बड़ा बदलाव आयेगा।

दुबई । रिचर्डसन ने भारत सरकार से मैच फिक्सिंग को लेकर आपराधिक कानून बनाने का आग्रह किया है। भारत में अगले तीन वर्षों के दौरान क्रिकेट के दो बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन होना है जिसको देखते हुए यदि मैच फिक्सिंग को रोकने के लिए कानून बनाया जाता है तो यह काफी अहम साबित हो सकता है। रिचर्डसन ने कहा कि भारत को पड़ोसी देश श्रीलंका की तरह मैच फिक्सिंग पर रोक लगाने के लिए कानून बनाना चाहिए।

आईसीसी के अधिकारी ने कहा, ÷भारत को 2021 में आईसीसी टी-20 विश्व कप और 2023 में वनडे विश्व कप का आयोजन करना है। मौजूदा समय में मैच फिक्सिंग को लेकर कोई कानून नहीं है। हमारे भारतीय पुलिस के साथ अच्छे संबंध हैं और हम इसे रोकने के लिए उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं, लेकिन उनके हाथ भी बंधे हुए हैं। भ्रष्टाचारियों की कोशिशों को नाकाम करने के लिए हम जो कुछ भी कर सकते हैं वह सब करेंगे। हमने अपने प्रयासों से उनका काम करना काफी मुश्किल कर दिया है। वह स्वतंत्र होकर काम नहीं कर सकते। हम जहां तक भ्रष्टाचारियों को रोक सकते हैं वहां तक प्रयास करते हैं। रिचर्डसन ने कहा, मैच फिक्सिंग को रोकने वाला कानून भारत में एक निर्णायक कदम साबित हो सकता है। हम इस समय 50 मामलों की जांच कर रहे हैं जिनमें से अधिकतर मामले भारत से जुड़े हुए हैं। यदि भारत मैच फिक्सिंग को लेकर कानून बनाता है तो खेलों को सुरक्षित एवं भ्रष्टाचार से बचाने की दृष्टि यह एक अहम कदम साबित हो सकता है। वर्ष 2019 में दक्षिण एशिया में क्रिकेट खेलने वाला श्रीलंका ऐसा पहला देश बन गया था जिसने मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित कर इसका दोषी पाए जाने पर 10 वर्ष की सजा का प्रावधान किया है।

प्रो कबड्डी लीग को श्रीलंका में कराने की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली । प्रो कबड्डी लीग ने इस साल अपने आठवें सत्र को श्रीलंका में कराने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए गुरूवार को कहा कि उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है।

प्रो कबड्डी लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि ये खबरें सिर्फ अटकलबाजियां हैं जिसमें कहा गया था कि श्रीलंका कबड्डी महासंघ प्रो कबड्डी के आठवें सत्र को आयोजित करेगा। प्रवक्ता ने कहा कि श्रीलंका कबड्डी महासंघ के अध्यक्ष अनुरा पथिराना ने प्रो कबड्डी प्रबंधन को स्पष्ट किया है कि उनकी प्रो कबड्डी के किसी अधिकारी से लीग को श्रीलंका में आयोजित करने की संभावना को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है और उनके हवाले से पेश किया जा रहा कोई भी बयान पूरी तरह गलत है। प्रवक्ता ने कहा , ÷प्रो कबड्डी लीग के लिए सत्र का सामान्य विंडो जुलाई और अक्टूबर होता है। इस साल कोरोना संकट के मद्देनजर हम स्थिति की समीक्षा करना जारी रखेंगे और खेल, प्रशंसकों, खिलाड़ियों तथा हितधारकों के लिए सबसे सुरक्षित और सर्वश्रेष्ठ विकल्प तलाशेंगे।

एनबीए और एनबीपीए ने नस्लभेद दूर करने पर की चर्चा

न्यूयॉर्क । दुनिया में नस्लीय असमानता को लेकर चल रही बहस के बीच नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) और नेशनल बास्केटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन (एनबीपीए) ने सामाजिक न्याय के प्रयासों पर चर्चा की है। अमेरिका में अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद खेल जगत ने नस्लभेद के खिलाफ आवाज बुलंद की है और कई खिलाड़ियों ने इस बात को उठाया है कि अपने खेल जीवन में वे नस्लभेद के शिकार हुए हैं। एनबीए के कमिश्नर एडम सिल्वर, एनबीए उप कमिश्नर और मुख्य संचालन अधिकारी मार्क टेटम, एनबीए के मुख्य विविधता और समावेश अधिकारी ओरिस स्टुअर्ट और लीग के अन्य अधिकारियों ने देश में सामाजिक न्याय के मुद्दों पर सामूहिक प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए नेशनल बास्केटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन निदेशक माइकल रोबटर्स और लीग के कई खिलाड़ियों के साथ एक बैठक की।

NATIONAL BASKETBALL PLAYERS ASSOCIATION FOUNDATION

54 राष्ट्रीय खेल महासंघों की अस्थायी मान्यता वापस

नई दिल्ली । केंद्रीय खेल मंत्रालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए गुरुवार को 54 राष्ट्रीय खेल महासंघों की अस्थायी मान्यता वापस ले ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को खेल मंत्रालय को 54 एनएसएफ की अस्थायी मान्यता वापस लेने का निर्देश दिया था। इन एनएसएफ को मंत्रालय ने 11 मई को अस्थायी मान्यता प्रदान की थी। खेल मंत्रालय के उप सचिव एसपीएस तोमर ने भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के महानिदेशक संदीप प्रधान को एक पत्र लिखकर कहा, ÷दिल्ली उच्च न्यायालय के 24 जून के आदेश का पालन करते हुए मैं खेल मंत्रालय की ओर से दो जून को जारी किए गए उस पत्र को वापस लेता हूं जिसमें राष्ट्रीय खेल महासंघों को वर्ष 2020 के लिए अस्थायी मान्यता देने का फैसला लिया गया था।÷

पूर्व क्रिकेटर रॉबिन सिंह की कार जब्त

चेन्नई । चेन्नई पुलिस ने लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघ करने के आरोप में पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन सिंह की कार को गुरुवार को जब्त कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रॉबिन सिंह कुछ आवश्यक सामान खरीदने अपनी कार में बैठकर जा रहे थे कि तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया। लॉकडाउन के दौरान आवाजाही के लिए आवश्यक ई-पास नहीं होने के कारण रॉबिन की कार को पुलिस ने मौके पर ही जब्त कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड को महिला फुटबॉल विश्व कप 2023 की संयुक्त मेजबानी

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को संयुक्त रूप से फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप 2023 के आयोजन की मेजबानी मिल गयी है। दोनों देशों के नेताओं ने फीफा के फैसले का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया है।

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को महिला फुटबॉल विश्व कप 2023 की मेजबानी मिलने के फैसले की घोषणा करते हुए फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि संयुक्त मेजबानी से इस टूर्नामेंट का महत्व और बढ़ेगा तथा महिला फुटबॉल के विकास के लिए अहम कदम साबित होगा।

इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड संयुक्त रूप से, कोलंबिया, जापान और ब्राजील शामिल थे। ब्राजील सबसे पहले होड़ से यह कहते हुए हट गया कि उसकी सरकार को इसकी मेजबानी में कोई फायदा नहीं दिखाई देता है। इसके बाद जापान ने गत सोमवार को अपनी दावेदारी वापस ले ली थी। जापान के हट जाने के बाद मुकाबला ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड तथा कोलंबिया के बीच सिमट गया था। स्विट्जरलैंड में शुक्रवार को फीफा परिषद की एक बैठक में 2023 के विश्व कप की मेजबानी के लिए वोटिंग हुई जिसमें दोनों देशों ने कोलंबिया को 22-13 के अंतर से हराकर संयुक्त मेजबानी हासिल कर ली।

यह इतिहास में पहली बार होगा जब अलग-अलग फुटबॉल महासंघों से संबंध रखने वाले दो देश किसी विश्व कप की मेजबानी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया का संबंध एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी) से है जबकि न्यूजीलैंड ओसियाना फुटबॉल महासंघ (ओएफसी) से जुड़ा हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने शुक्रवार सुबह एक संयुक्त वक्तव्य जारी फीफा के इस फैसले को महिलाओं के खेलों की दृष्टि से ऐतिहासिक करार दिया है। संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों के नेताओं ने फुटबॉल महिला विश्व कप को अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप आयोजन बनाने का दावा करते हुए कहा, ÷2023 का विश्व कप अब तक का सबसे बड़ा और सर्वश्रेष्ठ आयोजन होगा। इसको लेकर कोई शंका नहीं है। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से उबर रहे दोनों देशों को संयुक्त रूप से इस आयोजन की मेजबानी मिलना फुटबॉल प्रेमियों और खेल जगत से जुड़े हुए लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। दोनों नेताओं ने संयुक्त वक्तव्य में कहा, ÷खेल प्रेमी राष्ट्र होने के तहत हम दोनों देशों ने फुटबॉल जगत को इतिहास में सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉल खिलाड़ी दिए हैं। इस टूर्नामेंट के आयोजन से हमारी अगली पीढ़ी को विश्व स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।÷ फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप 2023 का आयोजन जुलाई से अगस्त महीने तक किया जायेगा। इस टूर्नामेंट में पहली बार कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी। यह इतिहास में पहली बार होगा जब अलग-अलग फुटबॉल महासंघों से संबंध रखने वाले दो देश किसी विश्व कप की मेजबानी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया का संबंध एशियाई फुटबॉल महासंघ से है जबकि न्यूजीलैंड ओसियाना फुटबॉल महासंघ से जुड़ा हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और न्यूजीलैंड की

लिवरपूल 30 साल बाद बना इंग्लिश प्रीमियर लीग चैंपियन

लंदन। चेल्सी ने मेनचेस्टर सिटी को जैसे ही 2-1 से हराया, लिवरपूल ने 30 साल के लम्बे अंतराल के बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग का फुटबॉल खिताब जीत लिया जबकि अभी सात मैच बाकी हैं। स्टेमफेर्ड ब्रिज में चेल्सी की मेनचेस्टर सिटी पर गुरूवार को 2-1 की जीत के साथ ही लिवरपूल को विजेता घोषित कर दिया गया। लिवरपूल ने आखिरी बार लीग चैंपियनशिप 1989-90 में फर्स्ट डिवीजन के रूप में थी। इसके बाद वर्ष 1992 में इंग्लिश प्रीमियर लीग का गठन किया गया था। लिवरपूल का यह 19वीं लीग खिताब है। जुर्गेन क्लोप के शानदार प्रदर्शन की बदौलत लिवरपूल ने बुधवार को क्रिस्टल पैलेस को 4-0 से हराकर 23 अंकों की बढ़त के साथ तालिका में पहला स्थान बना लिया था। इसके बाद उसे जरुरत थी कि दूसरे स्थान पर काबिज मेनचेस्टर सिटी मैच हारकर अंक गंवाए और वही हुआ। सात मैच शेष रहने के बावजूद लिवरपूल का खिताब पक्का हो गया। चेल्सी ने क्रिस्टियन पुलिसिचऔर विलियम के गोलों की मदद से मेनचेस्टर सिटी को हराकर लिवरपूल का खिताबी सूखा खत्म करने में मदद की।

न्यूज गैलरी

दिल्ली में पेट्रोल भी 80 के पार, मुंबई में 87 के करीब

नई दिल्ली । पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से दिल्ली में पेट्रोल भी 80 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गया है। राष्ट्रीय राजधानी में 20 महीने बाद पेट्रोल 80 रुपये से महँगा बिक रहा है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को पेट्रोल की कीमत 21 पैसे बढ़कर 80.13 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गई जो 27 अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल का मूल्य भी 17 पैसे बढ़कर 80.19 रुपये प्रति लीटर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। इस महीने 07 तारीख से तेल विपणन कंपनियों ने दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम बढ़ाने का क्रम शुरू किया है। इस दौरान दिल्ली में पेट्रोल 8.87 रुपये यानी 12.45 प्रतिशत महँगा हुआ है। लगातार 20 दिन में डीजल की कीमत 10.80 रुपये यानी 15.56 प्रतिशत बढ़ गई है। कोलकाता और मुंबई में भी पेट्रोल की कीमत 21-21 पैसे बढ़कर क्रमशः 81.82 रुपये और 86.91 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। चेन्नई में यह 19 पैसे चढ़कर 83.37 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

वित्त आयोग की पंचायती राज मंत्री के साथ बैठक

नई दिल्ली । पंचायती राज संस्थाओं के लिए वर्ष 2021-26 के लिए 10 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने का वित्त आयोग से आग्रह किया गया है। वित्त आयोग के अध्यक्ष एन के सिंह की अगुवाई में आयोग और पंचायती राज मंत्रालय के साथ बैठक में यह आग्रह किया गया। इस बैठक में मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण एवं पंचायती राज मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने किया।

मंत्रालय ने आयोग को सूचित किया उसकी सिफारिशों के अनुसार मंत्रालय ने ऑडिट ऑनलाइन साफ्टेवयर लाँच किया है ताकि पंचायतों का समय ऑडिट प्रक्रिया पूरी की जा सके और वित्तीय अनुशासन तथा पारदर्शिता लायी जा सके।

उतार चढ़ाव के बाद रुपया स्थिर

मुंबई । डॉलर में रही नरमी के बीच शेयर बाजार की तेजी से मिले समर्थन के बल रुपया शुक्रवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में उतार चढ़ाव के बाद 75.65 रुपये रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर रहा। पिछले दिवस भी रुपया 75.65 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 14 पैसे की मजबूती के साथ 75.51 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यह 75.65 रुपये प्रति डॉलर के न्यूनतम और 75.43 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक बीच रहा। अंत में पिछले दिवस के स्तर पर टिकने में सफल रहा।

स्वामित्व योजना से आगे बढ़ेगा स्वदेशी ड्रोन उद्योग

अप्रैल में पंचायती राज दिवस के अवसर पर स्वामित्व योजना की शुरुआत

गाँवों में आबादी वाले क्षेत्र की ड्रोन से मैपिंग कर भूमि का मालिकाना हक तय करने की केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना से देश में ड्रोन विनिर्माण और ड्रोन ऑपरेटरों की माँग बढ़ेगी जो लंबे समय के स्वदेशी ड्रोन उद्योग को तैयार करने में बेहद मददगार होगी।

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अप्रैल में पंचायती राज दिवस के अवसर पर स्वामित्व योजना की शुरुआत की थी। इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदार भारतीय सर्वेक्षण विभाग को सौंपी गई है जो भूमि की मैपिंग कर राज्य सरकारों को डाटा सौंप देगा। इसी डाटा के आधार पर स्थानीय सरकारें भूमि का स्वामित्व तय करेंगी। भारत के महासर्वेक्षक गिरीश कुमार ने उद्योग महासंघ फिक्की द्वारा आज आयोजित एक वेबिनार में कहा कि इस योजना में देश के छह लाख से अधिक गाँवों के आबादी वाले क्षेत्रों की पूरी मैपिंग की जानी है। इसके लिए बड़ी संख्या में ड्रोनों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय ड्रोन विनिर्माण उद्योग अभी शुरुआती चरण में है। कोई भी स्टार्टअप कंपनी इतनी बड़ी संख्या में आपूर्ति करने में सक्षम नहीं होगी इसलिए एक बड़े ऑर्डर की निविदा जारी करने की बजाय छोटे-छोटे ऑर्डरों की निविदायें जारी की जायेंगी ताकि स्टार्टअप को मौका मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें गुणवत्ता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत मैपिंग का काम तकरीबन पाँच साल तक चलने का अनुमान है। इस दौरान बड़ी संख्या में ड्रोन पायलटों की भी जरूरत होगी। न सिर्फ ऑपरेटरों को ड्रोन चलाने की जानकारी होनी चाहिए बल्कि योजना की जरूरत के हिसाब से उन्हें भूमि के मैपिंग की भी बुनियादी जानकारी होनी चाहिये। देश में ऐसा कोई संस्थान नहीं है जहाँ इस तरह का प्रशिक्षण दिया जा रहा हो। इसे देखते हुये भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने स्वयं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करने और प्रशिक्षण देने का फैसला किया है। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र में प्रयोग के आधार पर इस योजना की शुरुआत की गई थी। इसके बाद कुछ अन्य राज्यों में भी प्रयोग हो चुका है। इसमें त्रुटि की संभावना 10 सेंटीमीटर से भी कम होगी। साथ ही किसी भूखंड का अक्षांश और देशांतर अंकित करने के लिए ड्रोन पर जीपीएस भी लगा होगा और जहाँ दो लोगों की जमीन के बीच पक्की दीवार है वहाँ सिर्फ वीडियोग्राफी से ही स्वामित्व तय हो जायेगा। जहाँ दो या अधिक परिवारों की खुली जमीन आपस में मिलती है वहाँ चूने से जमीन पर लकीर खींचने के बाद ड्रोन से मैपिंग की जायेगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में संयुक्त सचिव अंबर दुबे ने कहा कि देश में ड्रोन के इस्तेमाल की अपार संभावनाएं हैं। मौजूदा सरकार हर प्रस्ताव पर खुले मन से विचार कर जल्दी

मारूति सुपर कैरी बीएस6एस-सीएनजी वेरिएन्ट में लांच

नई दिल्ली। मारूति सुजुकी इण्डिया लिमिटेड ने आज सुपर कैरी के बीएस6 कम्प्लायन्ट एस-सीएनजी वेरिएन्ट के लॉन्च की घोषणा की है। यह लॉन्च कंपनी के मिशन ग्रीन मिलियन के अनुरूप है जिसकी घोषणा ऑटो एक्स्पो 2020 में की गई थी। कारोबार के लिए व्यवहारिक 'तरक्की का दमदार साथी' कहलाने वाला मारूति सुजुकी सुपर कैरी पहला लाईट कमर्शियल व्हीकल है जिसे बीएस6 इंजन में अपग्रेड किया गया है। 2010 में सीएनजी वाहनों के साथ ग्रीन मोबिलिटी में प्रवेश करने वाली मारूति सुजुकी ने आज ग्रीन व्हीकल्स की बेजोड़ रेंज पेश की है। पहले से एक मिलियन ग्रीन व्हीकल (सीएनजी स्मार्ट हाइब्रिड वाहनों सहित) बेच लेने के बाद मारूति सुजुकी ने 'मिशन ग्रीन मिलियन' के तहत अगले दो सालों में एक और मिलियन ग्रीन व्हीकल्स बेचने का लक्ष्य तय किया है, इस तरह मारूति सुजुकी देश में ग्रीन मोबिलिटी में अग्रणी है। श्री शशांक श्रीवास्तव, एक्ज़क्टिव डायरेक्टर , मारूति सुजुकी इण्डिया लिमिटेड ने कहा, ''मारूति सुजुकी के 320 से अधिक कमर्शियल चैनल नेटवर्क के माध्यम से 56000 से अधिक युनिट्स बेचे जाने के बाद, सुपर कैरी मिनी-ट्रक सेगमेन्ट में बेहतरीन परफोर्मेन्स दे रहा है। खासतौर पर छोटे कमर्शियल व्हीकल सेगमेन्ट के उपयोगकर्ताओं के लिए पेश किया गया सुपर कैरी अपने सेगमेन्ट में सर्वश्रेष्ठ पावर, बेहतर आराम, उत्कृष्ट गुणवत्ता देता है।

सुपर कैरी ने कारोबारों का मुनाफ़

सोनी ने लांच की 26 घंटे तक की बैटरी लाइफ वाले हेडफोन्स

नई दिल्ली। सोनी इंडिया ने आज अपनी असली वायरलेस कैटैगरी में नई पेशकश शामिल करते हुए WF-XB700 और WF-SP800N हेडफोन्स लांच किए। WF-XB700 एक झंझट-रहित डिवाइस है जो सफर में म्यूजिक पसंद करने वालों के लिए सबसे उपयुक्त है। जबकि WF-SP800N नवीनतम नॉयज कैंसिलिंग स्पोर्ट्स हेडफोन्स है, जो सक्रिय जीवनशैली के लिए डिजाइन किया गया है और यह सड़क की आवाज़ों या जिम में बारबेल्स आदि की अवांछित आवाज़ों को ब्लॉक कर देता है। डीप और धमाकेदार साउंड के लिए एक्स्ट्रा बासइ विशेषता के साथ सचमुच वायरलेस हेडफोन्स-सोनी की एक्स्ट्रा बासइ तकनीक से लैस WF-XB700 और WF-SP800N हेडफोन्स एकदम सटीक, धमाकेदार लो-एंड साउंड उत्पन्न करते हैं जो ट्रैक को एकदम स्पष्ट बनाता है और आवाज़ की अत्यन्त भरपूर शुद्धता के साथ सुनने का सम्पूर्ण अनुभव प्रदान करता है। सोनी हेडफोन्स कनेक्ट ऐप से निर्बाध कनेक्टिविटी के साथ ऑडियो को कस्टमाइज करना एकदम आसान है जिससे घर में आरामदेह सुनने का अनुभव लिया जा सकता है या वर्कआउट के समय जोश बढ़ाने के लिए बास को बढ़ाया जा सकता है। हेडफोन्स में बैटरी के लंबे जीवनकाल के साथ बाधारहित म्यूजिक का आनंद लें। WF-XB700 का बैटरी बैकअप 9 घंटे का है और इसके छोटे से चार्जिंग केस से इसे 9 घंटे के लिए और चार्ज करके आप 18 घंटों तक का झंझट-रहित म्यूजिक का अनुभव पा सकते हैं। WF-SP800N में नॉयज कैंसिलिंग चालू करने पर 18 घंटे का और ऑफ रखने पर 26 घंटे तक का म्यूजिक प्लेबैक मिलता है। जल्दी में होने पर आप WF-XB700 और Wf-SP800N में क्विक चार्जिंग फंक्शन सुविधा के साथ केवल 10 मिनट चार्ज करके 60 मिनट तक का म्यूजिक पा सकते हैं।

पानी, धूल और पसीने से प्रतिरोध के साथ बिना किसी चिंता के म्यूजिक का अनुभव लें-सोनी WF-XB700 और WF-SP800N को पानी और धूल प्रतिरोध के लिए क्रमशः IPX4 और IPz5 रेटिंग दी गई है।

होंडा सिटी की प्री लांच बुकिंग शुरू

नई दिल्ली । कार निर्माता कंपनी होंडा कार्स लिमिटेड ने पांचवी पीढ़ी की सेडान होंडा सिटी की प्री लांच बुकिंग गुरुवार से शुरू कर दी। ग्राहक कार को देशभर में कंपनी के अधिकृत डीलर या ऑनलाइन बिक्री प्लेटफार्म'होंडा फ्रॉम होम' पर बुक करा सकते हैं। कंपनी ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी कि इस कार को अगले माह लाँच किया जायेगा। यह अपनी श्रेणी के कारों में सबसे लंबी चौड़ी है। अपनी श्रेणी में ज?यादा बड़ी और आरामदायक केबिन के साथ इसका बाहरी डिजाइन स?पोर्टी और स?टाइलिश है। इसकी लंबाई 4,549 मिलीमीटर और चौड़ाई 1,748 मिलीमीटर है। ग्राहकों को सबसे अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए इसे आसियान एन कैप की पांच स्टार रेटिंग के समान बॉडी के साथ बनाया गया है। होंडा में पहली बार सुपर हाई फॉर्मेब्लिटी 980 एमपीए ग्रेड स्टील का इस्तेमाल किया गया है।

मारुति सुजुकी ने अद्वितीय व्यापक लॉयल्टी रिवॉर्डस प्रोग्राम लॉन्च किया

रायपुर। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने आज एक विशिष्ट लॉयल्टी प्रोग्राम- मारुति सुजुकी रिवॉर्ड्स लॉन्च किया है। अपनी तरह का अनूठा यह लॉयल्टी प्रोग्राम एरिना, नेक्सा एवं ट्रू वैल्यू आउटलेट्स से अपने सभी पैसेंजर व्हीकल्स ग्राहकों को लाभान्वित करेगा। मारुति सुजुकी रिवॉर्ड्स एक व्यापक कार्यक्रम है, जो कार, सर्विस, मारूति बीमा ,कार पार्ट और एक्सेसरीज़, ग्राहक रेफरल्स और कंपनी के साथ कई अन्य 'एसोसिएशनो की लेन देन पर कई लाभ के साथ आता है। ग्राहक अब मारूति सुजुकी रिवॉर्ड्स वेबसाइट की मदद से डिजिटल रूप से समर्थित कार्ड -लैस प्रोग्राम का अनुभव कर सकते हैं और मारूति सुजुकी के साथ किये गए हर लेनदेन के साथ रिवॉर्ड पॉइन्ट्स को बढ़ते हुए देख सकते हैं। कार्यक्रम के तहत ग्राहकों को चार स्तरों में वर्गीकृत किया जाएगा- सदस्य, सिल्वर, गोल्ड और प्लेटिनम।उन्हें एक गेमिफिकेशन फीचर ÷ बैज ÷ के साथ पुरुस्कृत किया जाएगा जो ग्राहकों को मारूति सुजुकी के साथ बातचीत को और अधिक रोमांचक बना देगा और उन्हें एक्सक्लुज़िव इवेंट्स एवं ऑफर्स का लाभ उठाने का अवसर देगा।

इस लॉन्च के अवसर पर श्री केनिची आयुकावा, एमडी एवं सीईओ, मारूति सजुकी ने कहा, ''मारूति सुजुकी रिवॉर्ड्स उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट सेवाएं उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह नया लॉयल्टी प्रोग्राम इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए उपभोक्ताओं के लिए कुछ कुछ बेहतरीन लाभों के साथ आता हैं। यह सदस्यों को उनकी ज़रूरतों के अनुरूप फायदों का लाभ उठाने तथा लॉयल्टी प्रोग्राम के विशेष एवं एक्सक्लुज़िव फायदों से लाभान्वित होने का मौका देता है। मारूति सुजुकी रिवॉर्ड कार्यक्रम पूरे भारत में सभी मारूति सुजुकी डीलरशिप पर स्वीकार किया जाएगा। इन रिवॉर्ड्स को वाहन की सर्विस, एक्सेसरीज़ एवं जेन्युन पार्ट्स की खरीद, एक्सटेंडेड वारंटी और इंश्योरेन्स या हमारे ड्राइविंग स्कूल में एनरोलमेन्ट के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

रिजल्ट के लिए आंतरिक...

जारी करेगा, क्योंकि विद्यार्थी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेण्ड्री एजुकेशन (आईसीएसई) ने एक सप्ताह के भीतर नयी अधिसूचना जारी करने की बात की। सीबीएसई ने आकलन योजना के तहत कहा है कि जो विद्यार्थी तीन से अधिक विषयों की परीक्षा में शामिल हो चुके हैं उनके सर्वाधिक अंक वाले तीन विषयों का औसत निकालकर उसी के अनुरूप छूटे हुए विषयों में अंक प्रदान किये जाएंगे, लेकिन जिन छात्रों ने केवल तीन विषयों की ही परीक्षा दी थी, उनके सबसे अधिक अंक वाले दो विषयों का औसत निकालकर शेष विषयों में अंक दिये जाएंगे। सीबीएसई ने कहा है कि 12वीं में, खासकर दिल्ली में, ऐसे बहुत कम छात्र हैं, जिन्होंने एक या दो विषयों की परीक्षाएं दी हैं। उनके परीक्षा परिणाम शामिल हुए विषयों में हासिल अंक तथा आंतरिक/प्रैक्टिकल/प्रोजेक्ट आकलन के आधार पर जारी किये जाएंगे।

रेलवे बना चुका...

स्वास्थ्य कर्मचारियों और अन्य परिचालन कर्मचारियों को कोविड-19 महामारी से सुरक्षा उपलब्ध कराने की चुनौती से पार पाने के लिए वह पूरी तरह तैयार है। उसके द्वारा अपनी सुविधायें तैयार करने या सुधार करने के लिए समन्वित तरीके से अपने सभी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है।

गुजरात में सीमा के..

मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रहा है। मामले की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

वायुसेना ने सैन्याभ्यास का...

जारी की है जिसमें वायुसेना का एयरक्राफ्ट वास्तविक नियंत्रण रेखा के आस-पास के इलाकों में हवाई गतिविधियों के जरिए निगरानी और सैन्य अभ्यास कर रहा है। वायुसेना का यह एयरक्राफ्ट लेह में सैन्य अभ्यास कर रहा है।

सरकार का बड़ा फैसला : मध्य प्रदेश

वहां से जवानों को वापस बुला सकती है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पीएचक्यू में डीजीपी समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने 4,269 आरक्षक की भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मिश्रा ने कहा- लॉकडाउन के दौरान पुलिस ने बड़े स्तर पर कार्य किया है। आने वाले समय और पुलिस विभाग की जरूरतों को देखते हुए पुलिस बल बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही पुलिस विभाग में कुछ और पदों से जुड़े फैसलों की मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इससे युवओं के लिए नए अवसर बनेंगे। इसके अलावा ड्रेस और गन में सुधार को लेकर भी चर्चा की गई। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए एक अस्पताल पीपीई मोड पर बनाया जाएगा। इसमें आरक्षक से लेकर डीजीपी और गृहमंत्री तक का इलाज होगा। इलाज की सभी संभव सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। खुफिया एजेंसी को लेकर भी कार्य किया जाएगा। पुलिस सुधार पर विशेष जोर है। शेष बहुत सारे मामलों पर चर्चा की गई। मंत्री डॉ. मिश्रा ने अपराधों के बदलते तौर तरीकों से निपटने के लिये तकनीक को और उन्नत करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने साइबर क्राइम कन्ट्रोलिंग टेक्नीक और सोशल मीडिया सेल को सशक्त करने के लिये आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। डॉ. मिश्रा ने कहा कि यदि पूर्व से प्रक्रिया प्रचलन में है तो उसकी प्रगति से शीघ्र अवगत कराया जाना सुनिश्चित करें। पुलिस आधुनिकीकरण के लिये आवश्यक बजटीय प्रावधान के लिये पुलिस महानिदेशक के साथ मिलकर वित्त विभाग से चर्चा की जायेगी। बैठक में गृह मंत्री डॉ. मिश्रा द्वारा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का हेड क्वाटर सिंगरौली से भोपाल किये जाने, भोपाल की फायरिंग रेंज को बालमपुर की नवीन फायरिंग रेंज में स्थानान्तरित करने के लिये आवश्यक बजटीय स्वीकृति, प्रदेश में पुलिस बल बढ़ाये जाने के लिये गृह मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त किये जाने के लिये आवश्यक कार्यवाही हेतु सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

अतिवृष्टि से निपटने के

के लिये आवश्यक सामग्री एवं उपकरण जैसे मोटर बोट, लाईफ जैकेट, रस्सियों आदि की व्यवस्था हो। गोताखोरों का इंतजाम कर लिया जाये। खोज एवं बचाव दलों का प्रशिक्षण पूर्ण करायें। प्रत्येक जिले में बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष गठित किया जाये, जो कि 24 घंटे कार्यरत रहे तथा वहाँ बाढ़ से बचाव एवं राहत संबंधी पूरी जानकारी हो एवं सहायता के लिये कॉल आने पर तुरंत दल रवाना किया जाये। बाढ़ उन्मुख क्षेत्रों में राहत शिविरों के लिये स्थान चिन्हित कर लिये जायें तथा वहाँ बाढ़ राहत की सारी व्यवस्थाएँ हो।

सेल घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज मेटेरियल के इस्तेमाल पर दे रहा ज़ोर

नई दिल्ली । इस्पात क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी सरकारी कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभा रहा है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि हाल ही में उसने पश्चिम बंगाल के बर्नपुर में स्थित अपने इस्को स्टील प्लांट में विभिन्न क्षेत्रों के घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज निर्माताओं के साथ इंटीग्रेटेड स्टील संयंत्रों में गुणवत्ता और खपत दोनों के हिसाब से घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज उत्पादन के उपयोग को बढ़ावा देने की संभावनाओं को तलाशने के लिए एक वेबिनार का किया। मौजूदा समय में देश में इस्पात संयंत्रों द्वारा पर्याप्त मात्रा में आयातित रिफ्रेक्ट्रीज का इस्तेमाल किया जाता है। सेल ने कहा कि इस वेबिनार में उसके सभी संयंत्रों के साथङ्गसाथ बड़ी संख्या में घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज उत्पादकों ने भाग लिया। रिफ्रेक्ट्रीज़ स्टील उद्योग द्वारा ब्लास्ट फर्नेस और कन्वर्टर्स की आंतरिक लाइनिंग के साथ-साथ वेसेल्स में होल्डिंग और मेटल के ट्रांसपोर्टिंग के लिए और फर्नेसेज में आगे की प्रोसेसिंग से पहले हीटिंग इत्यादि में इस्तेमाल किया जाता है। सेल ने घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई पहल किए हैं। सरकार के आत्मनिर्भर भारत पर ज़ोर घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज उत्पादकों के लिए एक बढ़िया अवसर की तरह है और वे खुद के विकास के साथङ्गसाथ स्थानीय इस्पात उद्योग को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। इस वेबिनार के दौरान, इस बात पर ज़ोर दिया गया कि घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज उत्पादकों के पास यह एक बड़ा अवसर है कि वे यह घरेलू रिफ्रेक्ट्रीज की जरूरतों को पूरा करें।

आज का भविष्यफल

मेष: घर एवं बाहर आज दोनों जगह वाद-विवाद से बचें। आज यदि व्यवसाय में आप कुछ नया शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो जल्दबाजी ना करें। पहले संबंधित कार्य के सभी पक्षों का सही ढंग से मूल्यांकन कर लें।

वृषभ: पराक्रम में वृद्धि के योग हैं। इसके अलावा धन लाभ का योग है। आज किसी भी जगह की यात्रा मंगलमय रहेगी। कार्य पूर्ण होने के प्रबल आसार हैं। कार्य संबंधी किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है।

मिथुन: आज कोई नया प्रॉजेक्ट या योजना प्रारंभ करना शुभ रहेगा। आज आपकी वाणी से निकले शब्द कल्याणकारी रहेंगे। आज आपकी धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी।

कर्क: आज सोचा हुआ कार्य पूर्ण होगा। व्यवसाय में आज किसी भी कार्य को करेंगे तो सिद्धि प्राप्त होगी। आज के दिन किसी इलेक्ट्रॉनिक संबंधी कारोबार शुरू करने में धन खर्च का योग बन रहा है।

सिंह: आज किसी को उधार देने से बचें। धन व्यय के योग हैं, यात्रा में कष्ट एवं मानसिक तनाव रह सकता है। किसी भी कार्य के लिए घर से निकलने से पहले दान जरूर दें।

कन्या: कार्यों में आने वाली बाधाएं स्वतः दूर होने लगेंगी। शुभ समाचार मिलेगा इससे आपका मनोबल बढ़ेगा एवं सर्वव्यापी लाभ के प्रबल संकेत मिल रहे हैं।

तुला: कर्मक्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। घर में सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। नए संपर्क बनेंगे जो आगे जाकर आपको शुभ फल प्रदान करेंगे।

वृश्चिक: आज भाग्य का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। किसी धार्मिक स्थल की सैर पर भी जाने का प्लान कर सकते हैं। इस वक्त अपने इष्ट, देवी-देवता के दर्शन से मनोकामना पूर्ण होगी।

धनु: आज यात्रा में सावधानी बरतें। चोट-चपेट की संभावना है। इसके अलावा व्यवसाय करते हैं तो आज वाद-विवाद की भी संभावनाएं बन रही हैं।

मकर: जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आएंगे। घर में कोई आज आपको विरोधियों से बचकर काम करने की आवश्यकता है।

कुंभ: क्रोध पर नियंत्रण रखें तो शत्रुओं पर विजय मिलेगा। अचानक मिली किसी शुभ सूचना से मन प्रसन्न रहेगा। ससुराल पक्ष से उपहार मिलने के योग बन रहे हैं।

मीन: अपनी योग्यता के अनुसार समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। संतान सुख, यात्रा में सफलता मिलने के योग हैं। नौकरी में यदि परिवर्तन करने के बारे में विचार कर रहे हैं तो जब तक कोई दूसरी नौकरी न मिल जाए तब तक धैर्य बनाए रखें।

अन्यथा नुकसान का सामना करना पड़ सकता

सू- दोकू क्र.065

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 64 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -065

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

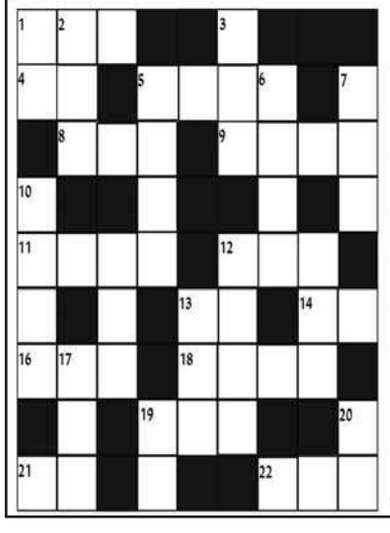

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

न्यूज गैलरी

10 हार्सपावर तक के पंप पर 700 रूपये प्रति हार्सपावर प्रतिवर्ष बिजली बिल

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। प्रदेश के कृषि उपभोक्ताओं को फ्लेट रेट के 10 हार्सपावर तक के पंप पर 700 रूपये प्रति हार्सपावर प्रतिवर्ष की दर से तथा 10 हार्सपावर से अधिक के फ्लेट रेट उपभोक्ताओं को 1400 रूपये प्रति हार्सपावर प्रतिवर्ष की दर से बिजली दी जा रही है। इसके साथ ही एक हेक्टेयर तक कृषि भूमि वाले अनुसूचित जाति/जनजाति उपभोक्ताओं के 5 हार्सपावर तक के कनेक्शन में निःशुल्क विद्युत प्रदाय किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा कोरोना महामारी में प्रभावी लॉकडाउन के दृष्टिगत विद्युत उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। प्रदेश के निम्नदाब गैर घरेलू एवं निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं तथा उच्चदाब टैरिफ देयकों में स्थायी प्रभार की वसूली को आस्थगित किया गया है। आस्थगित राशि की वसूली माह अक्टूबर 2020 से मार्च 2021 के विद्युत देयकों के नियमित भुगतान के साथ 6 समान किश्तों में बिना ब्याज के की जायेगी। प्रदेश के जिन उपभोक्ताओं (उच्चदाब सहित) द्वारा लॉकडाउन के चलते अप्रैल एवं मई माह में देय विद्युत बिलों का भुगतान सामान्य नियत तिथि तक किया गया है, उन्हें एक प्रतिशत की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि (निम्नदाब उपभेक्ताओं को अधिकतम दस हजार तथा उच्चदाब उपभोक्ताओं को अधिकतम एक लाख रूपये) आगामी बिल में दी जा रही है। यह राशि विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा वहन की जायेगी। वर्तमान मेंप्रदेश के कृषि उपभोक्ताओं को इंदिरा गृह ज्योति योजना के प्रावधानों के अंतर्गत लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश के ऐसे सभी घरेलू उपभोक्ता जो संबल योजना के हितग्राही हैं एवं जिनके माह अप्रैल, 2020 में देयक की राशि 100 रूपये तक थी, उनके आगामी तीन माह अर्थात् मई, जून एवं जुलाई, 2020 में देयक राशि 100 रूपये तक आने पर उनसे इन तीन माहों में मात्र 50 रूपये प्रतिमाह लिया जा रहा है। प्रदेश के ऐसे सभी घरेलू उपभोक्ता जिनके माह अप्रैल, 2020 में देयक की राशि 100 रूपये तक थी, उनके आगामी तीन माह अर्थात् मई, जून एवं जुलाई, 2020 में देयक राशि 100 रूपये से 400 रूपये तक आने पर उनसे इन तीन माहों में मात्र 100 रूपये प्रतिमाह की राशि ली जा रही है। प्रदेश के ऐसे घरेलू उपभोक्ता जिनकी माह अप्रैल, 2020 में देयक राशि 100 रूपये से अधिक परन्तु 400 रूपये या उससे कम थी, उनके मई, जून एवं जुलाई, 2020 में देयक राशि 400 रूपये से अधिक आने पर उनसे इन माहों में देयक की राशि का मात्र 50 प्रतिशत लिया जा रहा है।। ऐसे उपभोक्ताओं के देयकों की शेष 50 प्रतिशत राशि के भुगतान के संबंध में देयकों की जांच के बाद निर्णय लिया जायेगा।

वन विभाग के अमले को घंटों दौड़ाती रही मॉनिटर लिजार्ड, बड़ी मुश्किल से टीम उस पर काबू पा पाई

नव प्रदेश संवाददाता

सिवनी। सिवनी में मॉनिटर लिजार्ड (गोह या गोहटा) वन विभाग के ऑफिस में अमले को जमकर घंटों यहां से वहां दौड़ाती रही। टीम उसे नगरीय क्षेत्र से पकड़कर ऑफिस लाई थी। डिब्बे का ढक्कन खुलते ही वह भाग निकली। उसके बाद कभी यहां, तो वह कभी वहां जाकर छिप जाती। कभी पार्किंग में तो कभी गार्डन में चली जाती। घंटों की मशक्कत के बाद वन अमले की टीम ने आखिरकार उसे पकड़ लिया। वन विभाग और मॉनिटर लिजार्ड के बीच इस संघर्ष के कई वीडियो भी बनाए गए। बड़ी देर की मेहनत के बाद टीम ने उसे पकड़कर दोबारा डिब्बे में बंद कर दिया। अच्छी बात यह रही कि इसमें कोई भी घायल नहीं हुआ।

मप्र की सियासत में चीन की एंट्री

भाजपा नेता प्रभात झा ने कमलनाथ को बताया चीनी एजेंट

बोले- इसका खुलासा हो चुका है और ये ऑन रिकॉर्ड है

झा बोले- चीन से तनाव के बीच राहुल गांधी उनकी भाषा क्यों बोल रहे हैं, अब ये बात समझ में आ रही है

कांग्रेस ने कहा- कमलनाथ जी पर आरोप लगाने से पहले प्रभात झा एक बार पार्षद या सरपंच का चुनाव लड़कर जीत लें

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमलनाथ ने केंद्र सरकार में वाणिज्य और उद्योग मंत्री रहते हुए चीन के हित में कार्य किया है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में झा ने कहा कि इस संबंध में खुलासा हुआ है और यह ऑन रिकार्ड है। इससे जुड़े दस्तावेज भी सामने आए हैं। झा ने कहा कि चीन के साथ भारत की तनातनी के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी चीन की भाषा क्यों बोल रहे हैं, अब यह बात भी समझ में आने लगी है। उन्होंने कहा जो भी दस्तावेज सामने आए हैं, उनके आधार पर मैं अपनी भाषा में कहूं कि कमलनाथ चीन का एजेंट बनकर वाणिज्य मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे, तो मुझे कोई दुख नहीं होगा। झा ने यह भी कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और भारत की पार्टी कांग्रेस के बीच बहुत सारी बातों का समझौता होता है। इसी क्रम में एक समझौता हुआ कि भारत में जो सामान सहजता से उपलब्ध है, उसका आयात बढ़ाया जाए। ऐसी 250 वस्तुएं चिंहित की गयीं, जिनका आयात करने का तय हुआ। इसके अलावा आयात पर टैक्स भी भी 100-200 प्रतिशत से घटाने की बात तय हुई। प्रभात झा ने आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा करने से चीन को जो लाभ हुआ, उसके पैसे से कांग्रेस की मदद की गयी और पैसा राजीव गांधी फाउंडेशन में भेजा गया। यह एक नेशनल क्राइम है। और इसके जिम्मेदार उस समय के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि अब इस बारे में कमलनाथ को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो हम लोग गांव-गांव में इस संबंध में बताएंगे।

सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र में एक और अवैध सिगरेट निर्माण की फैक्ट्री पकड़ी

338 करोड़ रुपए की कर चोरी के आरोपी वाधवानी पर मेहरबान थी पुलिस, महिलाओं द्वारा दर्ज कराए 2 मामलों को किया खत्म

आरोपी वाधवानी ने विशेष न्यायालय में आवेदन देकर कहा है कि उससे जबरन बयान लिए गए हैं, वह उसे बदलना चाहता है

नव प्रदेश संवाददाता

इंदौर। 338 करोड़ रुपए की कर चोरी के आरोपी किशोर वाधवानी पर मप्र पुलिस भी मेहरबान रही। वाधवानी के समाचर पत्र दबंग दुनिया और दबंग न्यूज टीवी चैनल में कार्यरत तीन महिला कर्मचारियों ने उसके खिलाफ छेड़छाड़ और यौन शोषण का आरोप लगाते हुए भोपाल पुलिस में मामला दर्ज करवाया था। लेकिन कुछ ही दिनों में पुलिस ने दो मामलों में खारिजी पेश कर दी। सूत्रों के अनुसार पीड़िताओं पर समझौता करने या आरोप वापस लेने का दबाव बनाया जाता रहा है। वहीं इंदौर के सांवरे रोड औद्योगिक क्षेत्र में सिगरेट की एक और फैक्ट्री डीजीजीआई की टीम ने पकड़ी है। यहां भी बड़े पैमाने पर अवैध सिगरेट बनाई जा रही थी। यहां मिले माल से अंदाजा लगाया जा रहा है कि सिगरेट बनाकर बेचने से सालभर में 150 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी की गई है। उधर वाधवानी ने इंदौर की विशेष न्यायाल में एक आवेदन देकर कहा है कि डीजीजीआई द्वारा उससे जबरन बायान लिए गए हैं। वह उसे बदलना चाहता है। 4 अप्रैल 2018 को वाधवानी के अखबर दबंग दुनिया के भोपाल ऑफिस में कार्यरत 24 साल की युवती ने एमपी नगर थाने में आईपीसी की धारा 377, 506, 34 के तहत केस दर्ज करवाया था। युवती ने एफआईआर में बताया था कि वाधवानी द्वारा उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य किया गया है। एफआईआर दर्ज होने के 22 दिन बाद 26 अप्रैल 2018 को पुलिस ने मामले में खारिजी काट दी। 4 अगस्त 2018 को दबंग दुनिया भोपाल में कार्यरत एक अन्य 23 साल की युवती ने किशोर वाधवानी पर आईपीसी की धारा 294 के तहत एमपी नगर थाने में प्रकरण दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने 23 दिसंबर 2018 को खारिजी काट दी। गौरतलब है कि सार्वजनिक स्थल पर अश्लील टिप्पणी करने पर धारा 294 लगाई जाती है। पीड़िता ने पुलिस से वाधवानी द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की बात भी कही थी लेकिन पुलिस ने इसका उल्लेख एफआईआर में नहीं किया। अप्रैल 2019 को दबंग न्यूज टीवी भोपाल में कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने वाधवानी के खिलाफ कार्यस्थल पर प्रताड़ित किए जाने का मामला महिला थाने में दर्ज कराया था। मामले में पुलिस का कहना है कि कोर्ट में चालान पेश किया जा चुका है।

प्रेस की आड़ में वाहनों में सिगरेट भरकर तस्करी की आशंका

डीजीजीआई ने सांवेर रोड पर एक गोदाम पकड़ा है। औद्योगिक क्षेत्र में मिले इस गोदाम में सिगरेट के साथ ही सिगरेट बनाने की दो-तीन मशीनें भी पकड़े जाने की बात सामने आई है। यहां मिले माल से अंदाजा लगाया जा रहा है कि सिगरेट बनाकर बेचने से सालभर में 150 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी की गई। विभाग ने यहां से लोडिंग रिक्शा भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार इन पर प्रेस लिखा हुआ है। आशंका है कि यहां भी प्रेस की आड़ में वाहनों में सिगरेट भरकर बेची गई। यह गोदाम मास्टरमाइंड किशोर वाधवानी से लिंक है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। अभी और भी गोदाम सांवेर रोड पर हो सकते हैं, जिसकी तलाश में टीम जुटी है। इसके पहले विभाग पान मसाले में 233 करोड़ और सिगरेट में 105 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ चुका है। पान मसाले में तो बीते दो साल की टैक्स चोरी 400 करोड़ तक होने की आशंका जताई गई है। इस तरह हर गोदाम के पकड़े जाने के साथ ही जीएसटी की टैक्स चोरी का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। किशोर वाधवानी मप्र का राज्य स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकार था। मप्र सरकार ने ही उसे यह अधिमान्यता प्रदान की थी। लेकिन अब कर चोरी में प्रमुख आरोपी के रूप में नाम आने और डीजीजीआई द्वारा गिरफ्तार कर जेल पहुंचने के बाद मप्र सरकार ने वाधवानी की अधिमान्यता समाप्त कर दी है।

उपचुनाव से पहले कांग्रेस में खटपट- कमलनाथ ने दिग्विजय-समर्थक गोविंद गोयल को कोषाध्यक्ष पद से हटाया

एमपी कांग्रेस में कमलनाथ ने किया बड़ा बदलाव

प्रदेश कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल को पद से हटाया

दिग्विजय सिंह के समर्थक माने जाते हैं गोयल

उपचुनावों से पहले कांग्रेस में गुटबाजी के संकेत

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश में उपचुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी में गुटबाजी फिर सतह पर आने लगी है। प्रदेश कांग्रेस में दिग्विजय और कमलनाथ के गुटों के बीच तथाकथित एकता की असलियत भी सामने आने लगी है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ ने शुक्रवार को बड़ा बदलाव करते हुए प्रदेश कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल को पीसीसी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। गोयल को दिग्विजय सिंह का समर्थक माना जाता है और कमलनाथ की इस कार्रवाई के बाद प्रदेश कांग्रेस में नए सिरे से गुटबाजी की शुरुआत हो सकती है। 2018 में विधानसभा चुनावों के बाद जब कमलनाथ सीएम बने थे, तब से दिग्विजय उनके सबसे बड़े सिपहसालार बने हुए हैं। इस साल मार्च में ज्योतिरादित्य सिंधिया की कांग्रेस से विदाई को भी पार्टी में कमलनाथ और दिग्विजय के गुटों द्वारा उनके ऊपर बनाए गए दबाव का नतीजा माना गया। हाल में राज्यसभा चुनाव के लिए विधानसभा में वोटिंग के दौरान भी कमलनाथ ने दिग्विजय की जीत के लिए हर कोशिश की, लेकिन अब दोनों के बीच की तथाकथित दोस्ती नए रंग में नजर आ सकती है। कमलनाथ की सरकार गिरने के बाद से ही दिग्विजय की उसमें भूमिका को लेकर कयास लगने लगे थे। कई कांग्रेस नेताओं ने भी दबी जुबान में माना कि दिग्विजय की राज्यसभा पहुंचने की जिद से सिंधिया-समर्थक विधायक पार्टी छोड़ने को मजबूर हुए, लेकिन कमलनाथ चुप्पी साधे रहे। अब जबकि विधानसभा की 24 सीटों के लिए उपचुनाव सर पर हैं, कमलनाथ ने गोयल को पद से हटाकर दिग्गी को झटका दिया है।

कैंपस के बाहर रहने वाले छात्रों को अब परिसर में नहीं मिलेगा प्रवेश, कोरोना के खतरे को देखते हुए लगाई रोक

कुछ दिनों पहले ही आईआईटी ने देशभर से अपने पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों को वापस बुलवाया था

14 दिन तक उन्हें क्वारेंटाइन में रखने के बाद लेबोरेट्री में काम करने की इजाजत दी गई थी

नव प्रदेश संवाददाता

इंदौर। आईआईटी कैंपस के बाहर रहने वाले ऐसे छात्र जो रोज कैंपस में आना-जाना कर रहे थे उनके कैंपस में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। कोरोनावायरस के संक्रमण से बचने के लिए प्रबंधन द्वारा यह कदम उठाए गए है। प्रबंधन का कहना है कि दूसरे छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिया गया है। दरअसल आईआईटी ने देशभर से अपने पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों को कुछ दिन पहले ही वापस बुलवाया था। 14 दिन तक उन्हें क्वारेंटाइन में रखने के बाद लेबोरेट्री में काम करने की इजाजत दी गई थी। इन्हें रोज आने जाने वाले छात्रों के साथ लैब में काम करना पड़ रहा था। सूत्रों के अनुसार क्वारेंटाइन पूरा कर चुके छात्रों ने प्रबंधन को शिकायत की इसके बाद ही बाहरी छात्रों का कैंपस में प्रवेश बंद किया गया। अब यदि ये छात्र लैब में काम करना चाहते हैं तो उन्हें अगली तारीखों पर कैंपस में एंट्री लेकर क्वारेंटाइन पूरा करना होगा। आईआईटी से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार शहर में रहने वाले छात्रों को कैंपस में आने पर क्वारेंटाइन पूरा करना होगा।

200 साल पुराने पेड़ को फिर से जिंदा करने की कोशिश

तेज बारिश के कारण गिर चुके एक 200 साल पुराने बरगद के पेड़ को फिर से जिंदा करने की कोशिश हो रही है...

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। उसने कई सावन देखे, दो सदियों तक तपती धूप में लोगों को छाया दी और न जाने कितना प्रदूषण अपने अंदर समेट लिया। लेकिन अब बारिश और तेज हवा के कारण उसकी जड़ें उखड़ गई और वो टूट कर जमीन पर गिर गया। हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश की राजधानी कमला पार्क में लगे उस बरगद के पेड़ की जिसे इन दिनों फिर से जिंदा करने की कोशिश की जा रही है। नगर निगम और हार्टिकल्चर विभाग इस पेड़ को दोबारा खड़ा करने की कोशिश में लगा हुआ है।

तेज हवा और बारिश में गिरा पेड़

दो सदियों तक लोगों को अपनी छाया देने वाला कमला नेहरू पार्क का बरगद का पेड़ इस साल हुई बारिश को नहीं झेल पाया। तेज हवा और बारिश में उसकी जड़ें उखड़ गई। पेड़ गिर चुका है है लेकिन उसके महत्व को देखते हुए अब एक बार फिर उसे जिंदा करने और फिर से खड़ा करने की कोशिश हो रही है। 200 साल पुराने इस बरगद के पेड़ ने न जाने कितना प्रदूषण झेला है और इस पर दो बार बिजली भी गिर चुकी है लेकिन इस सब के बावजूद वो 200 सालों से कमला पार्क में खड़ा हुआ था।

नगर निगम और हार्टिकल्चर विभाग का संयुक्त प्रयास

भोपाल नगर निगम और हार्टिकल्चर विभाग 200 साल पुराने इस बरगद के पेड़ के महत्व को समझते हुए अब इसे दोबारा जिंदा करने की कोशिश में जुट गए हैं। पेड़ जमीन पर गिर चुका है और उसकी जड़ें उखड़ कर ऊपर आ चुकी हैं जिन पर फिर से मिट्टी डाली जा रही है। पेड़ की जड़ों में खाद डाली जा रही है पानी दिया जा रहा है और ये कोशिश है कि एख बार फिर वो पहले की तरह लोगों को अपनी छाया दे सके। मौके पर काम कर रहे अधिकारियों का कहना है कि पेड़ की कई सारी जड़ें हैं जो कमजोर हो चुकी हैं और उखड़ गई हैं।

उपचुनाव से पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया फिर से राजनीति में हो रहे हैं सक्रिय

एक्टिव हो गए हैं ज्योतिरादित्य सिंधिया, कांग्रेस नेता पर किया बड़ा वार

एमपी में गुरुवार को बीजेपी की दूसरी वर्चुअल रैली में भी ज्योतिरादित्य सिंधिया हुए शामिल

रैली के बाद सिंधिया ने कांग्रेस नेता पर किया बड़ा हमला

रैली के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की थी तारीफ

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। बीजेपी में शामिल होने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया पहली बार गुरुवार को वर्चुअल रैली में शामिल हुए। इसके साथ ही वह संकेत भी दे दिए हैं कि एमपी की राजनीति में हम फिर से सक्रिय हो रहे हैं। रैली के बाद उन्होंने ट्वीट कर कांग्रेस नेता पर बड़ा वार किया है। दरअसल, पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने मोदी सरकार को घेरने के लिए नोटबंदी और जीएसटी की तुलना बेटियों से की थी। उसके बाद से बीजेपी हमलावर है। विवाद बढ़ने के बाद जीतू ने ट्वीट को डिलीट कर दिया। साथ ही उस पर सफाई भी पेश की थी। लेकिन उससे पहले बेटियों के अपमान पर कांग्रेस पूरी तरह से घिर गई थी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी जीतू के ट्वीट पर संज्ञान लिया है। साथ ही उन्हें नोटिस जारी किया है। बीजेपी ने जीतू की शिकायत महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा से की थी। वहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने जीतू पटवारी के खिलाफ के सोनिया गांधी से कार्रवाई की मांग की है।

सिंधिया ने कहा- निंदनीय है

वहीं, बीजेपी की वर्चुअल रैली के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी जीतू पटवारी का नाम लिए बिना कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। सिंधिया ने लिखा कि %यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमंते तत्र देवता%, अर्थात- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। हमारी इस संस्कृति के विपरीत कांग्रेस के नेता जिस तरह से लगातार हमारी नारी शक्ति के खिलाफ अभद्र ट्वीट और बयान दे रहे हैं, वह अत्यंत निंदनीय है। सिंधिया का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर खूब वायरल है।

सोशल मीडिया पर पहली बार किया हमला

बीजेपी ज्वाइन करने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भोपाल और दिल्ली से ही कांग्रेस पर हमला किया था। उसके बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने कभी कांग्रेस के बारे में कभी कुछ नहीं लिखा। जबकि कांग्रेस के नेता उनके बारे में लगातार बोलते रहे। एक झूठी खबर को लेकर उन्होंने एक महीने पहले जरूर दिग्विजय सिंह और उनके बेटे जयवर्धन सिंह को जवाब दिया था। लेकिन पहली बार नारी शक्ति को लेकर उन्होंने कांग्रेस नेता पर जोरदार हमला बोला है। दरअसल, सिंधिया के बीजेपी में शामिल होने के बाद ही देश में लॉकडाउन हो गया था। उसके बाद से वह एमपी नहीं आए हैं। फिर कोरोना से संक्रमित होने के बाद अस्पताल में थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com